2024-25

BIHAR STET

HINDI

SOLVED PAPER & PRACTICE BOOK

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

बिहार STET

शिक्षक पात्रता परीक्षा

माध्यमिक (कक्षा 9 एवं 10)

हिन्दी

सॉल्व्ड पेपर्स प्रैक्टिस बुक

16 SETS

Exam. Date - 11-09-2023 (Shift-II)
Exam. Date - 10-09-2023 (Shift-I)
Exam. Date - 21-09-2020 (Shift-II)
Exam. Date - 09-09-2020 (Shift-II)
Exam. Date - 09-09-2020 (Shift-I)
Exam. Date - 28-01-2020 (Shift-I)

- नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित
- विस्तृत व्याख्या सहित हल
- आयोग की संशोधित ANSWER-KEY द्वारा प्रमाणित

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति
माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा

BIHAR STET

हिन्दी

माध्यमिक स्तर (कक्षा IX से X) शिक्षक हेतु

सॉल्व्ड पेपर्स एवं प्रैक्टिस बुक

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

लेखन सहयोग
परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण त्रिपाठी, चरन सिंह

सम्पादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com

© All rights reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने रूप प्रिंटिंग प्रेस, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 250/-

विषय-सूची

सॉल्व्ड पेपर्स

- माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा Bihar STET हिन्दी..... 3-10
  व्याख्या साहित हल प्रश्न पत्र परीक्षा तिथि : 11.09.2023, Shift-II
- माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा Bihar STET हिन्दी..... 11-20
  व्याख्या साहित हल प्रश्न पत्र परीक्षा तिथि : 10.09.2023, Shift-I
- माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा Bihar STET हिन्दी..... 21-29
  व्याख्या साहित हल प्रश्न पत्र परीक्षा तिथि : 21.09.2020, Shift-II
- माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा Bihar STET हिन्दी..... 30-40
  व्याख्या साहित हल प्रश्न पत्र परीक्षा तिथि : 09.09.2020, Shift-II
- माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा Bihar STET हिन्दी..... 41-50
  व्याख्या साहित हल प्रश्न पत्र परीक्षा तिथि : 09.09.2020, Shift-I
- माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा Bihar STET हिन्दी..... 51-58
  व्याख्या साहित हल प्रश्न पत्र परीक्षा तिथि : 28.01.2020

प्रैक्टिस सेट

- प्रैक्टिस सेट-1 ---------- 59-69
- प्रैक्टिस सेट -2 ---------- 70-81
- प्रैक्टिस सेट -3 ---------- 82-93
- प्रैक्टिस सेट -4 ---------- 94-105
- प्रैक्टिस सेट -5 ---------- 106-116
- प्रैक्टिस सेट -6 ---------- 117-127
- प्रैक्टिस सेट -7 ---------- 128-138
- प्रैक्टिस सेट -8 ---------- 139-150
- प्रैक्टिस सेट -9 ---------- 151-163
- प्रैक्टिस सेट -10 ---------- 164-176

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति

माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा Bihar STET

हिन्दी

[Exam. Date - 11.09.2023 (Shift-II)] **[Time-10:00 AM-12:30 PM]**

1. 'पीतांबर' शब्द का संधि विच्छेद है-

(a) पी + तांबर (b) पीतांब + र

(c) पीत + अम्बर (d) पीतां + बर

Ans. (c) : 'पीतांबर' शब्द का संधि विच्छेद' पीत + अम्बर' है। यह दीर्घ संधि का उदाहरण है। जब ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, ऋ के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ (अ, इ, उ, ऋ) स्वर आये तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई, ऊ, ॠ हो जाते हैं।

जैसे- शिव + आलय = शिवालय

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

2. 'नाविक' शब्द का संधि-विच्छेद है-

(a) नौ + इक (b) ना + विक

(c) नावि + क (d) न + अविक

Ans. (a) : 'नाविक' शब्द का संधि विच्छेद 'नौ + इक' है। यह अयादि संधि का उदाहरण है। यदि 'ए', 'ऐ', 'ओ', 'औ', के बाद कोई भिन्न स्वर आये, तो 'ए' का 'अय्', 'ऐ' का 'आय्', 'ओ' का 'अव्' और 'औ' का 'आव' हो जाता है।

जैसे- ने + अन = नयन

नै + अक = नायक

3. 'प्रत्येक' का संधि-विच्छेद है-

(a) प्रः + ति + एक (b) प्रत्य + एक

(c) प्रः + एक (d) प्रति + एक

Ans. (d) : 'प्रत्येक' का संधि विच्छेद' प्रति + एक है। यह गुण स्वर संधि का उदाहरण है। यदि अ, आ के बाद इ, ई, उ, ऊ तथा ऋ आये तो दोनों मिलकर क्रमशः 'ए', 'ओ' और अर्' हो जाते हैं।

जैसे- देव + इन्द्र = देवेन्द्र

महा + उत्सव = महोत्सव

4. व्यंजन वर्ण के साथ स्वर या व्यंजन वर्ण के मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे क्या कहते है?

(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि

(c) विसर्ग संधि (d) उपसर्ग

Ans. (b) : व्यंजन वर्ण के साथ स्वर या व्यंजन वर्ण के मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे व्यंजन संधि कहते है।

जैसे- उत् + चारण = उच्चारण

वाक् + मय = वाङ्मय

5. विसर्ग (:) के साथ स्वर या व्यंजन के मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे ..... कहते है।

(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि

(c) विसर्ग संधि (d) समास संधि

Ans. (c) : विसर्ग (:) के साथ स्वर या व्यंजन वर्ण के मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

जैसे- निः + रव = नीरव

मनः + रथ = मनोरथ

6. जिस शब्द का प्रथम पद प्रधान हो उसे ..... समास कहते है।

(a) तत्पुरूष (b) कर्मधारय

(c) द्वंद्व (d) बहुव्रीहि

Ans. (*) : जिस शब्द का प्रथम पद प्रधान हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। उदाहरण- यथाशक्ति- शक्ति के अनुसार।

Note- आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर बहुव्रीहि समास माना है। जो कि गलत है।

7. चतुरानन में कौन-सा समास है?

(a) कर्मधारय (b) तत्पुरूष

(c) बहुव्रीहि (d) अव्ययीभाव

Ans. (c) : 'चतुरानन' में बहुव्रीहि समास है। 'चतुरानन' का विग्रह है- चार है आनन (मुख) जिसके अर्थात ब्रह्मा जी। समास में आए पदों को छोड़कर जब किसी अन्य पद की प्रधानता हो, तब उसे बहुव्रीहि समास कहते है। जैसे- चतुर्भुज-चार है भुजाएं जिसकी अर्थात विष्णु।

8. 'प्रतिकूल' में कौन सा समास है?

(a) द्विगु (b) द्वन्द्व

(c) कर्मधारय (d) अव्ययीभाव

Ans. (d) : 'प्रतिकूल' में अव्ययीभाव समास है। 'प्रतिकूल' का समास विग्रह है- कूल के अनुसार। जिस सामासिक पद का पूर्वपद (पहला पद) प्रधान हो, तथा सामासिक पद अव्यय हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

9. 'देव जो महान है' यह किस समास का उदाहरण है?

(a) कर्मधारय (b) बहुव्रीहि

(c) तत्पुरूष (d) अव्ययीभाव

Ans. (a) : देव जो महान है, यह कर्मधारय समास का उदाहरण है। जिसका पहला पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य अथवा एक पद उपमान तथा दूसरा पद उपमेय हो तो, वह कर्मधारय समास कहलाता है। जैसे- नीलकमल-नीला है जो कमल।

10. गद्यांश को पढ़कर प्रश्न के उत्तर दें।

भारत माता को हम नमन करते हैं। उत्तर में हिमालय इसका प्रहरी है। दक्षिण में हिंद महासागर उसके चरण पखारता है। पश्चिम में कच्छ की खाड़ी और पूरब में बांग्लादेश है। गंगा-यमुना, नर्मदा-ताप्ती, कृष्णा, गोदावरी, ब्रह्मपुत्र आदि नदियाँ भारत के मैदानी क्षेत्रों की शोभा बढ़ाती है। खेतों में लहराती फसलें और बागों में पके फलों की बहार भारतमाता का उपहार है। प्रत्येक धर्म का व्यक्ति भारत माँ का सपूत है।

सबकी प्रिय है भारत माता फसलें और पके फल किसकी देन हैं?

(a) नदियों की (b) पहाड़ों की
(c) मिट्टी की (d) लोगों की

Ans. (a) : उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार फसलें और पके फल नदियों की देन हैं।

11. 'सपूत' शब्द में कौन उपसर्ग है?

(a) स (b) सु
(c) सब (d) पूत

Ans. (a) : 'सपूत' शब्द में 'स' उपसर्ग है। उपसर्ग वह शब्दांश है जो किसी शब्द के आगे (पहले) लगकर एक नये शब्द का निर्माण होता है।

12. मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसका धर्म है कि वह स्वयं जिए और दूसरों को भी जीने दे। वह अपने सुख-दुख के साथ दूसरों के सुख-दुख की ओर भी ध्यान दे। अपने स्वार्थ को छोड़कर दूसरों के हित की भी सोंचे। अपना स्वार्थ सिद्ध करना मानवता नहीं है। 'परहित' ही सच्ची मानवता है। यही सच्चा धर्म है। मनुष्य अपनी क्षमता या सामर्थ्य के अनुसार परहित कर सकता है। वह मन से, धन से या तन से अथवा तीनों से दूसरों की भलाई कर सकता है। दूसरों के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना भी परहित है। किसी को संकट से बचाना, किसी को कुमार्ग से हटाना, किसी दुखी और निराश व्यक्ति को सांत्वना देना भी परहित के ही अंतर्गत आता है। भगवान राम ने ऋषि-मुनियों की तपस्या में बाधा डालने वाले राक्षसों का संहार किया। ईसा मसीह ने लोगों का उत्थान किया, सम्राट अशोक ने स्थान-स्थान पर कुएँ, तालाब आदि खुदवाकर जनता का उपकार किया। यही मानवता का प्रमुख धर्म है।

'सामाजिक' शब्द में प्रत्यय है-

(a) इक (b) क
(c) जिक (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : 'सामाजिक' शब्द में 'इक' प्रत्यय है। जिसमें समाज + इक = सामाजिक। प्रत्यय वह शब्दांश है जो किसी शब्द के बाद में लगकर एक नये शब्द का निर्माण करता है।

13. 'परहित' के अंतर्गत आता है-

(a) दूसरों के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना
(b) संकट में छोड़ देना
(c) कुमार्ग पर भेजना
(d) अपने स्वार्थ को नहीं छोड़ना

Ans. (a) : 'परहित' के अन्तर्गत दूसरे के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना आता है।

14. मैत्री की राह बताने को, सबको सुमार्ग पर लाने को।
दुर्योधन को समझाने को, भीषण विध्वंस बचाने को।
भगवान हस्तिनापुर आए, पांडव का संदेश लाए।
दो न्याय अगर तो आधा दो, पर इसमें भी यदि बाधा हो।
तो दे दो केवल पाँच ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम।
हम वहीं खुशी से खाएँगे, परिजन पर असि न उठाएँगे।
दुर्योधन वह भी दे न सका, आशीष समाज का ले न सका।
उलटे हरि को बाँधने चला, जो था असाध्य साधने चला
जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।
'परिजन' में उपसर्ग है-

(a) प (b) परि
(c) जन (d) परा

Ans. (b) : 'परिजन' शब्द में 'परि' उपसर्ग है। उपसर्ग वह शब्दांश है, जो किसी शब्द के पहले लगकर एक नये शब्द का निर्माण करते हैं। जैसे- पर्यावरण = परि + आवरण।

15. 'न्याय' का विलोम है

(a) अचल (b) अज्ञान
(c) अन्याय (d) इंसाफ

Ans. (c) : 'न्याय' का विलोम 'अन्याय' हैं जबकि 'अचल' का विलोम 'चल' तथा 'अज्ञान' का विलोम 'ज्ञान' होगा।

16. शब्दों के सार्थक मेल को कहते है-

(a) वर्ण (b) शब्द
(c) क्रिया (d) वाक्य

Ans. (d) : शब्दों के सार्थक मेल को वाक्य कहते हैं। रचना की दृष्टि से वाक्य तीन प्रकार के होते हैं–
(i) सरल वाक्य (ii) मिश्रवाक्य (iii) संयुक्त वाक्य।

17. 'आप कल कहाँ गए थे?' किस वाक्य का उदाहरण है?

(a) निषेधवाचक वाक्य (b) इच्छावाचक वाक्य
(c) प्रश्नवाचक वाक्य (d) संकेतवाचक वाक्य

Ans. (c) : 'आप कल कहाँ गए थे?' प्रश्नवाचक वाक्य का उदाहरण हैं। जिस वाक्य में प्रश्न किए जाने का बोध हो, उसे प्रश्न वाचक वाक्य कहते हैं। **जैसे**- तुम्हारा नाम क्या है?

18. शुद्ध वाक्य बताएँ :

(a) प्राण निकल गया।
(b) लता मेरी लड़की है।
(c) मुझे घर जाना है।
(d) वह छत पर से गिर गया।

Ans. (c) : मुझे घर जाना है। शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्य अशुद्ध हैं।

19. कर्म के अनुसार क्रिया के कितने भेद है?

(a) तीन (b) दो
(c) पाँच (d) छः

Ans. (b) : कर्म के अनुसार क्रिया के 'दो' भेद है।
(i) सकर्मक क्रिया (ii) अकर्मक क्रिया।
सकर्मक क्रिया- जिसका कर्म हो या जिसके साथ कर्म की संभावना हो, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।
अकर्मक क्रिया- जिन क्रियाओं का व्यापार और फल कर्ता पर हो, वे 'अकर्मक' क्रिया कहलाती है।

20. किस समास में उत्तर पद (अंतिम पद) प्रधान होता है?

(a) तत्पुरूष समास (b) कर्मधारय समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) अव्ययीभाव समास

Ans. (a) : 'तत्पुरुष समास में उत्तर पद (अंतिम पद) प्रधान होता है। **जैसे**- रसोई घर- रसोई के लिए घर।

21. पुल्लिंग-स्त्रीलिंग के जोड़े में कौन-सा जोड़ा सही है?

(a) दाता-दानी (b) भेड़-बकरी
(c) लेखक-कवि (d) ब्राह्मण-ब्रह्मणी

Ans. (d) : 'ब्राह्मण- ब्रह्मणी' पुल्लिंग-स्त्रीलिंग की दृष्टि से सही जोड़ा है।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा क्रम सही है?

(a) सुंदर सुंदरतर सुंदरतम (b) सुंदरतर सुंदर सुंदरतम
(c) सुंदरतम सुंदर सुंदरतर (d) सुंदर सुंदरतम् सुंदरतर

Ans. (a) : सुन्दर, सुन्दरतर, सुन्दरतम शब्दों की अवस्थाओं का क्रम सही है। विशेषणों की तुलना की ती अवस्थाएँ होती हैं।
(i) मूलावस्था (ii) उत्तरावस्था (iii) उत्तमावस्था।

23. 'दिन कटना' मुहावरे का अर्थ है-

(a) दिन बीतना (b) रात बीतना
(c) शाम बीतना (d) समय बीतना

Ans. (d) : 'दिन कटना' मुहावरे का अर्थ समय बीतना है। जब कोई वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ में रूढ़ हो जाता है, तो उसे मुहावरा कहते हैं।

24. 'बगल में छोरा नगर में ढिंढोरा' लोकोक्ति का क्या अर्थ है?

(a) नगर में छोरा गुम हो जाना
(b) नगर में शोर मचाना
(c) नगर में घूमना
(d) वस्तु के पास होने पर भी चारों ओर उसे ढूँढ़ना

Ans. (d) : 'बगल में छोरा नगर में ढिंढोरा' लोकोक्ति का अर्थ है- वस्तु के पास होने पर भी चारों ओर उसे ढूँढ़ना।

25. 'घोड़े बेचकर सोना' मुहावरे का अर्थ है-

(a) बेफिक्र होना
(b) फिक्रमंद होना
(c) घोड़ा बेचकर सोना खरीदना
(d) चिंतित होना

Ans. (a) : 'घोड़े बेचकर सोना' मुहावरे का अर्थ है-बेफिक्र होना।

26. 'आस्तीन का साँप' मुहावरा का अर्थ है-

(a) घर में साँप निकलना (b) कपटी मित्र
(c) सच्चा मित्र (d) साँप मारना

Ans. (b) : 'आस्तीन का साँप' मुहावरे का अर्थ है- कपटी मित्र होना।

27. 'काँटा निकलना' मुहावरे का अर्थ है-

(a) बाधा उत्पन्न होना (b) काँटा चुभना
(c) मायूस होना (d) बाधा दूर होना

Ans. (d) : 'काँटा निकलना' मुहावरे का अर्थ हैं बाधा दूर होना।

28. 'पहाड़ टूट पड़ना' मुहावरे का अर्थ क्या होगा?

(a) भारी विपत्ति आना (b) संकट टलना
(c) पहाड़ का घूमना (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : 'पहाड़ टूट पड़ना' मुहावरे का अर्थ 'भारी विपत्ति आना' होगा।

29. 'चादर से बाहर पैर पसारना' मुहावरे का अर्थ क्या होगा?

(a) चादर ओढ़कर सोना
(b) चादर से पैर ढकना
(c) कंजूस होना
(d) आय से अधिक व्यय करना

Ans. (d) : 'चादर से बाहर पैर पसारना' मुहावरे का अर्थ- 'आय से अधिक व्यय करना' होगा।

30. 'आसन डोलना' मुहावरे का सही अर्थ क्या होगा?

(a) भूकम्प आना (b) सुनामी आना
(c) धैर्यवान बनना (d) विचलित होना

Ans. (d) : 'आसन डोलना' मुहावरे का अर्थ-'विचलित होना' होगा।

31. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है

(a) शुभ नक्षत्र आ गया है।
(b) संतोष को छमा कर दो।
(c) यमुना का पानी गंदा हो गया है।
(d) शाम को सब्जी लेने जाना है।

Ans. (b) : 'संतोष को छमा कर दो।' वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य होगा- संतोष को क्षमा कर दो। वाक्य में 'छमा' शब्द में अशुद्धि है। अन्य सभी वाक्य शुद्ध हैं।

32. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है-

(a) रेडियों की उत्पत्ति किसने की।
(b) हमारे देश के लोगा मेहनती है।
(c) मुझे कुछ याद नहीं आ रहा।
(d) मुझे बाजार जाना है।

Ans. (a) : 'रेडियो की उत्पत्ति किसने की।' यह अशुद्ध वाक्य है। इसका शुद्ध वाक्य होगा- रेडियो का आविष्कार किसने किया? शेष वाक्य शुद्ध हैं।

33. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है।

(a) किसान के खेत में जंगली जानवर आ गए।
(b) यहाँ गाय का ताजा दूध मिलता है।
(c) वह हाथी पागल हो गया है।
(d) खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ

Ans. (d) : 'खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।' वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य होगा- 'गाजर काटकर खरगोश को खिलाओ।'

34. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है।

(a) वह खाना खायेगा।
(b) उसने जैसा किया है, मैं नहीं कर सकता।
(c) विद्यालय के दाएँ बड़ा सा मैदान है।
(d) भिक्षारी को थोड़े चालव दे दो।

Ans. (c) : विद्यालय के दाएँ बड़ा-सा मैदान है। वाक्य अशुद्ध हैं इसका शुद्ध वाक्य होगा- विद्यालय के दायीं ओर बड़ा-सा मैदान है।

35. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है

(a) जैन साहित्य प्राकृत में लिखा गया है।
(b) पेड़ पर कोयल कूक रही थी।
(c) वह बहुत जल्दी वापस लौट आया।
(d) मैं गाने का रियाज कर रहा हूँ।

Ans. (c) : 'वह बहुत जल्दी वापस लौट आया।' वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य होगा- वह बहुत जल्दी लौट आया।

36. कौन पदबंध के अन्तर्गत शामिल नहीं है?

(a) संज्ञा पदबंध (b) क्रिया पदबंध
(c) समास पदबंध (d) विशेषण पदबंध

Ans. (c) : 'समास पदबन्ध पदबन्ध के अन्तर्गत शामिल नहीं है। पदबंध के अन्तर्गत निम्न पदबंध हैं-
1. संज्ञा पदबंध
2. सर्वनाम पदबंध
3. विशेषण पदबंध
4. क्रिया पदबंध
5. क्रिया विशेषण पदबंध

37. अब दरवाजा खोला जा सकता है। रेखांकित शब्द कौन पदबंध है।
(a) संज्ञा पदबंध (b) क्रिया पदबंध
(c) सर्वनाम पदबंध (d) क्रिया विशेषण पदबंध

Ans. (b) : 'अब दरवाजा **खोला जा सकता है**।' वाक्य में रेखांकित शब्द जा सकता है पद में क्रिया पदबंध है।

38. राहुल फुटबॉल खेलकर चला गया। रेखांकित शब्द में कौन पदबंध है।
(a) क्रिया पदबंध (b) क्रिया विशेषण पदबंध
(c) संज्ञा पदबंध (d) सर्वनाम पदबंध

Ans. (a) : 'राहुल फुटबॉल **खेलकर** चला गया।' वाक्य में रेखांकित शब्द 'खेलकर' में क्रिया पदबंध है।

39. नाव पानी में डूबती चली गई। रेखांकित शब्द में कौन पदबंध है।
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंध (d) विशेषण पदबंध

Ans. (c) : नाव पानी में डूबती **चली गई**।' रेखांकित शब्द में क्रिया पदबंध है।

40. उसका कुत्ता अत्यंत आज्ञाकारी है। रेखांकित शब्द कौन सा पदबंध है।
(a) विशेषण पदबंध (b) संज्ञा पदबंध
(c) सर्वनाम पदबंध (d) क्रिया पदबंध

Ans. (a) : 'उसका कुत्ता अत्यंत आज्ञाकारी है।' रेंखांकित शब्द में विशेषण पदबंध है।

41. रमा से रोया नही जाता है। वाक्य में कौन सा वाच्य है?
(a) कर्तृवाच्य (b) भाववाच्य
(c) कर्मवाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : 'रमा से रोया नहीं जाता है।' वाक्य में भाववाच्य है। क्रिया के उस रूपान्तर को भाववाच्य कहते है, जिससे वाक्य में क्रिया अथवा भाव की प्रधानता का बोध हो। जैसे- उससे धूप में चला नहीं जाता।

42. 'आपने सुन्दर पेटिंग बनाई है।' इसमें कौन सा वाच्य है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : 'आपने सुन्दर पेटिंग बनाई है।' वाक्य में कर्मवाच्य है। क्रिया के उस रूपान्तर को कर्मवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्म की प्रधानता का बोध हो। जैसे- आम खाया जाता है।

43. वाच्य का शाब्दिक अर्थ क्या है?
(a) वचन (b) बोली
(c) बोलने का विषय (d) कहावत

Ans. (c) : वाच्य का शाब्दिक अर्थ 'बोलने का विषय' है। क्रिया के उस परिवर्तन को 'वाच्य' कहते हैं, जिसके द्वारा इस बात का बोध होता है कि वाक्य के अन्तर्गत कर्त्ता, कर्म अथवा भाव-इनमें से किसकी प्रधानता है। इनमें किसके अनुसार क्रिया के पुरुष, वचन आदि आए हैं।

44. भाववाच्य का उदाहरण है।
(a) रमेश खेलता है।
(b) राजू सो गया।
(c) बच्चा से उठा नहीं जाता है।
(d) मैं ऐसा नहीं कर सकता।

Ans. (c) : बच्चा से उठा नहीं जाता है। वाक्य भववाच्य का उदाहरण है। क्रिया के उस रूपान्तर को भाववाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में क्रिया अथवा भाव की प्रधानता का बोध हो।

45. 'सोनार गहने बनाता है'। कौन सा वाच्य है?
(a) कर्मवाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) भाववाच्य (d) उपरोक्त सभी

Ans. (b) : 'सोनार गहने बनाता है' वाक्य कर्तृवाच्य में है। जिस वाक्य में कर्ता की प्रधानता होती है, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।

46. निम्न में कौन सा वाक्य शुद्ध है
(a) सीता ने झूट कही थी।
(b) बहुसंख्यक मनुष्य यहाँ आए थे?
(c) भाई बहन जा रही है।
(d) निरअपराधी को दंड नहीं मिलना चाहिए।

Ans. (d) : दिये गए विकल्पों में 'निरअपराधी को दंड नहीं मिलना चाहिए। वाक्य शुद्ध है।

47. निम्न में कौन सा वाक्य शुद्ध है-
(a) यहाँ बहुत से लोग बेहाल दशा में पड़े हैं।
(b) मैं तुम्हें अच्छी अच्छी बातें बता दूँगा।
(c) बहन भी सोती नींद से जाग पड़ी।
(d) तमाम देश भर में यह बात फैल गई।

Ans. (b) : मैं तुम्हें अच्छी-अच्छी बातें बता दूँगा। वाक्य शुद्ध है।

48. निम्न में कौन सा वाक्य शुद्ध है-
(a) झूटी गवाही मत देना।
(b) यह काम आप पर निर्भर करता है।
(c) आपका पत्र सधन्यवाद मिला।
(d) वह हर समय में मूर्खों की तरह लड़ते रहें।

Ans. (a) : दिए गए विकल्पों में 'झूठी गवाही मत देना।' वाक्य शुद्ध है।

49. निम्न में कौन सा वाक्य शुद्ध है।
(a) हिंदी हम में से प्रत्येक विद्यार्थी की मातृभाषा है।
(b) कुछ स्थलों में ऐसा कहा गया है
(c) यह किताब का क्या मोल है।
(d) आपका सब काम गलत होता है।

Ans. (a) : दिए गए विकल्पों में' हिन्दी हम में से प्रत्येक विद्यार्थी की मातृभाषा है। शुद्ध वाक्य है।

50. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद है?
(a) तीन (b) चार
(c) पाँच (d) आट

Ans. (a) : रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद है-
1. सरल वाक्य, 2. मिश्रवाक्य, 3. संयुक्त वाक्य।

51. शब्द शक्ति के भेद है-

(a) अभिधा (b) लक्षणा
(c) व्यंजना (d) इनमें से सभी

Ans. (d) : शब्द शक्ति के तीन भेद हैं-
(i) अभिधा, (ii) लक्षणा, (iii) व्यंजना।
अभिधा- वह शब्द शक्ति जो शब्द के मुख्य अर्थ का बोध कराती है, अभिधा शब्द शक्ति कहलाती है।
जैसे- राधा पुस्तक पढ़ती है।
लक्षणा- जब शब्द के मुख्य अर्थ से संबंधित कोई अन्य अर्थ लिया जाये, वहाँ लक्षणा शब्द शक्ति होती है।
जैसे- रोहन ने कहा, मेरा दोस्त तो गधा है।
व्यंजना- शब्द के जिस व्यापार से मुख्य और लक्ष्य अर्थ से भिन्न अर्थ की प्रतीति हो उसे 'व्यंजना' कहते हैं। व्यंजना शब्द शक्ति से अन्यार्थ या विशेषार्थ का ज्ञान कराने वाला शब्द व्यंजक कहलाता है। जबकि उस व्यंजक शब्द से प्राप्त अर्थ को व्यंग्यार्थ कहते हैं।

52. व्यंजना शक्ति से जो अर्थ निकलता है, उसे कहते हैं-

(a) व्यंग्य (b) छंद
(c) अलंकार (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : व्यंजना शक्ति से जो अर्थ निकलता है, उसे 'व्यंग्य' कहते हैं।
व्यंजना शब्द शक्ति- व्यंजना शक्ति ऐसे अर्थ को बताती है, जो अभिधा, लक्षणा, या तात्पर्य वृत्ति द्वारा उपलब्ध नहीं होता, व्यंजना व्यापार को ध्वनन, गमन, प्रत्यागमन आदि कहते हैं।

53. अर्थ बोध कराने के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य है-

(a) अभिधा शब्द शक्ति लक्षणा पर आश्रित होती है।
(b) लक्षणा शब्द शक्ति व्यंजना पर आश्रित होती है।
(c) अभिधा शब्द शक्ति लक्षणा व्यंजना दोनों पर आश्रित होती है।
(d) लक्षणा एवं व्यंजना दोनों शक्तियाँ अभिधा पर आश्रित होती है।

Ans. (b) : अर्थ बोध के संदर्भ में निम्नलिखित में से सत्य कथन है- लक्षण एवं व्यंजना दोनों शक्तियाँ अभिधा पर आश्रित होती हैं।

54. काव्यशास्त्र के अनुसार शब्द में अर्थ कितने प्रकार से आते है-

(a) दो प्रकार (b) चार प्रकार
(c) तीन प्रकार (d) पाँच प्रकार

Ans. (c) : काव्यशास्त्र के अनुसार शब्द में अर्थ तीन प्रकार से आते हैं। (i) अभिधा, (ii) लक्षणा, (iii) व्यंजना।

55. भिखारी को देखकर राधा बोली महाराजा आ रहे है। इस वाक्य में शब्द शक्ति है-

(a) व्यंजना (b) लक्षणा
(c) दोनों (d) दोनों में से कोई नहीं

Ans. (a) : 'भिखारी को देखकर राधा बोली महाराजा आ रहे हैं' दिये गये वाक्य में व्यंजन शब्द शक्ति है। शब्द शक्तियाँ तीन प्रकार की होती हैं– (i) अभिधा, (ii) व्यंजना, (iii) लक्षणा।

56. काव्य में जहाँ शब्द के कारण रमणीयता हो और शब्द परिवर्तन से काव्य सौन्दर्य क्षीण हो जाए, क्या कहलाता है?

(a) उभयालंकार (b) अर्थालंकार
(c) शब्दालंकार (d) भावालंकार

Ans. (c) : ''काव्य में जहाँ शब्द के कारण रमणीयता हो और शब्द परिवर्तन से काव्य सौन्दर्य क्षीण हो जाए'', वहाँ 'शब्दालंकार' होता है। अलंकार के तीन भेद होते हैं- (i) शब्दालंकार, (ii) अर्थालंकार, (iii) उभयालंकार।
अर्थालंकार- काव्य में जहाँ अर्थ के कारण चमत्कार उत्पन्न हो वहाँ अर्थालंकार होता है।
उभयालंकार- जो अलंकार शब्द और अर्थ दोनों पर आधारित होता है, उसे उभयालंकार कहते हैं।

57. बिनु पग चलै सुनै बिनु काना कर बिनु कर्म करै विधि नाना।
आनन रहित सकल रस भोगी बिन वाणी वक्ता बड़ योगी। उक्त पंक्तियों में अलंकार बताएँ?

(a) अतिश्योक्ति (b) वीप्सा
(c) विभावना (d) विरोधाभास

Ans. (c) : बिनु पग चलै सुनै बिनु काना कर बिनु कर्म करै विधि नाना।
आनन रहित सफल रस भोगी बिनु वाणी वक्ता बड़जोगी।।
उपर्युक्त पंक्तियों में 'विभावना' अलंकार है।

58. 'चारु चंद्र की चंचल किरणे खेल रही थी जलथल में उक्त पंक्ति में कौन सा अलंकार है।

(a) श्लेष (b) अनुप्रास
(c) यमक (d) रूपक

Ans. (b) : 'चारू चंद की चंचल किरणें खेल रही थी जलथल में' उक्त पंक्ति में 'अनुप्रास' अलंकार है।
अनुप्रास अलंकार- जिस अलंकार में एकमान वर्णों की आवृत्ति एक से अधिक बार हो वहाँ पर अनुप्रास अलंकार होता है। जैसे- तरनि तनूजा तट तमाल तरूवर बहु छाए।
उपर्युक्त उदाहरण में 'त' पर्ण की आवृत्ति हुई है। अतः यहाँ पर अनुप्रास अलंकार होगा।

59. नहि पराग नहिं मधुर मधु नहिं विकास इहि काल।
अली कली ही सौ बंध्यों आगे कौन हवाल॥

(a) रूपक (b) अन्योक्ति
(c) विशेषोक्ति (d) अनुप्रास

Ans. (b) : उपर्युक्त दी गयी पंक्तियों में 'अन्योक्ति अलंकार है।
अन्योक्ति अलंकार- जहाँ किसी की बात किसी और पर ढाल कर कही जाय, वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है।
जैसे- क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसका क्या जो दन्तहीन, विषरहित, विनीत सरल हो।

60. माँ के शुचि उपकारों का जीवन में अन्तः नहीं है।
निस्वार्थ साधना पथ पर माँ जैसा सन्त नहीं है॥
उक्त पंक्तियों में मुख्यरूप से कौन सा अलंकार लक्षित हो रहा है?

(a) विभावना (b) विशेषोक्ति
(c) प्रतीप (d) अनन्वय

Ans. (c) : उक्त पंक्तियों में मुख्य रूप से 'प्रतीप' अलंकार है-
प्रतीप अलंकार- प्रतीप का अर्थ है उल्टा या विपरीत। यह अलंकार उपमा का उल्टा होता है। जहाँ उपमान को उपमेय और उपमेय को उपमान सिद्ध करके चमत्कार पूर्वक उपमेय या उपमान की उत्कृष्टता दिखायी जाती है, वहाँ 'प्रतीप' अलंकार होता है।
जैसे- उतरि नहाये जमुन जल, ज्यों सरीर सम स्याम।

61. 'गन्ध मैनें पिया मदहोश कोई और हुआ' में कौन सा अलंकार है?

(a) दीपक (b) रूपक
(c) दृष्टांत (d) असंगति

Ans. (d) : दी गयी पंक्ति 'गंध मैनें पिया मदहोश कोई और हुआ।' में 'असंगति अलंकार' है।
असंगति अलंकार- जहाँ कार्य और कारण में संगति न हो, वहाँ असंगति अलंकार होता है।
जैसे- दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीति।
परत गाँठ दुरजन हिये दई नई यह रीति।।

62. अर्थालंकार के बिना सरस्वती विधवा के समान है' किसका कथन है?

(a) भामह (b) दण्डी
(c) भरतमुनि (d) वेदव्यास

Ans. (d) : ''अर्थालंकार के बिना सरस्वती विधवा के समान है।'' यह कथन 'वेदव्यास' का है। महर्षि वेदव्यास महाभारत ग्रंथ के रचयिता हैं।

63. अलंकारों का शिरोरत्न ..... माना जाता है।

(a) उपमा (b) रूपक
(c) यमक (d) उत्प्रेक्षा

Ans. (a) : अलंकारों का शिरोरत्न 'उपमा' अलंकार को माना जाता है।
उपमा अलंकार- उपमा का शाब्दिक अर्थ है- सादृश्य, समानता या तुलना। जहाँ उपमेय और उपमान में गुण, रूप या चमत्कृत सौन्दर्यमूलक सादृश्य का प्रतिपादन किया जाय, वहाँ 'उपमा अलंकार' होता है।
जैसे- पीपर पात सरिस मन डोला!

64. पुनरूक्ति प्रकाश अलंकार किस अलंकार का दूसरा नाम है?

(a) श्लेष अलंकार (b) प्रश्न अलंकार
(c) उत्प्रेक्षा अलंकार (d) वीप्सा अलंकार

Ans. (d) : 'वीत्सा अलंकार' का दूसरा नाम पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
वीत्सा अलंकार- जब दुख, आश्चर्य, आदर, हर्ष, शोक इत्यादि विस्मयादिबोधक भावों को व्यक्त करने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जाए तब उसे वीप्सा अलंकार कहते हैं।
जैसे- मोहि-मोहि मोहन को मन भयो राधामन।
राधा मन मोहि-मोहि मोहन मयी-मयी।।

65. सुवरन को खोजत फिरत कवि व्यभिचारी चोर, पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(a) श्लेष (b) अनुप्रास
(c) अनुभाव (d) रूपक

Ans. (a) : 'सुबरन को खोजत फिरत कवि व्यभिचारी चोर' पंक्ति में 'श्लेष अलंकार' है।
श्लेष अलंकार- श्लेष का अर्थ है- चिपकना, मिलना अथवा संयोग। जहाँ एक शब्द के साथ अनेक अर्थ चिपके रहते हैं। वहाँ श्लेष अलंकार होता है।
जैसे- चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों न सनेह गँभीर।
को घटि ये बृषभानुजा, वे हलधर के वीर।।

66. रूपक अलंकार का उदाहरण है-

(a) चारू चंद्र की चचंल किरणें खेल रही थी, जल थल में।
(b) तू मोहन के उरबासी हवै उरबसी समान।
(c) को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के वीर।
(d) मन-सागर, मनसा लहरि, बूड़े-बहे अनेक।

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में विकल्प 'मन-सागर मनसा लहरि, बूड़े-बहे अनेक' रूपक अलंकार का उदाहरण है।
रूपक अलंकार- जहाँ उपमेय और उपमान में भेद रहित आरोप किया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है।
जैसे- उदित उदय-गिरि मंच-पर रघुवर बाल पतंग।
विकसेउ सन्त-सरोज वन, हरषे लोचन-भृंग।।

67. 'सत्य सील दृढ़ ध्वजा-पताका' में कौन सा अलंकार है।

(a) यमक (b) उपमा
(c) मानवीकरण (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (d) : 'सत्य सील दृढ़ ध्वजा पताका' में अलंकार दिए गए विकल्पों में इनमें से कोई नहीं है। उक्त पंक्ति में रूपक अलंकार है। जहाँ उपमेय में उपमान का अभेद आरोप कर दिया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार है।

68. रूपक ढूँढ़े।

(a) शशि – मुख पर घूँघट डाले आँचल में दीप छिपाए।
(b) मखमल के झूल पड़े हाथी – सा टीला।
(c) नाथ सकल सुख साथ तुम्हारे।
(d) रघुपति राघव राजा राम।

Ans. (a) : शशि-मुख पर घूँघट डाले आँचल में दीप छिपाए। पंक्ति में रूपक अलंकार है। जहाँ उपमेय में उपमान का अभेद आरोप किया जाये वहाँ रूपक अलंकार होता है। उक्त पंक्ति में शशि (चन्द्रमा) का मुख में आभेद आरोप होने कारण रूपक अलंकार होगा।

69. 'गोपी पद- पंकज पावन कि रज जामे सिर भीजे' में कौन सा अलंकार है-

(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) रूपक (d) (a) और (c) दोनों

Ans. (d) : 'गोपी पद-पंकज पावन किरण जामे सिर भीजे' पंक्ति में अनुप्रास एवं रूपक अलंकार है। पंकज पावन में 'प' वर्ण की आवृत्ति से अनुप्रास अलंकार है। पद-पंकज में रूपक अलंकार है।

70. 'प्रेम अतिथि है खड़ा द्वार पर हृदय कपाट खोल दो तुम।' में अलंकार है-

(a) रूपक (b) अनुप्रास
(c) उपमा (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : 'प्रेम अतिथि है खड़ा द्वार हृदय कपाट खोल दो तुम' इस पंक्ति में रूपक अलंकार है। यहाँ हृदय कपाट में रूपक अलंकार होगा।

71. सिर फट गया उसका वहीं, मानो अरुण रंग का घड़ा हो।
इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

(a) श्लेष (b) यमक
(c) रूपक (d) उत्प्रेक्षा

Ans. (d) : 'सिर फट गया उसका वहीं मानो अरुण रंग का घड़ा हो' पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है। जब उपमेय में उपमान की सम्भावना या कल्पना कर ली जाये, तब उत्प्रेक्षा अलंकार माना जाता है। मनु, मानो, जनु, जानो, ज्यो आदि इसके वाचक शब्द हैं।

72. कहती हई यो उत्तरा के, नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण, मानों हो गए पंकज नए।।
इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है–

(a) यमक (b) उत्प्रेक्षा
(c) श्लेष (d) विभावना

Ans. (b) : कहती हुई उत्तरा के, नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण, मानो हो गए पंकज नए।।
इस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है। जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाती है, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

73. मुख मानों चंद्र है। इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है

(a) विभावना (b) रूपक
(c) श्लेष (d) उत्प्रेक्षा

Ans. (d) : मुख मानो चंद्र है। इस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है। जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाती है, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

74. पद्मावती सब सखी बुलाई, मनु फुलवारी सबैं चली आई। इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

(a) श्लेष (b) रूपक
(c) उत्प्रेक्षा (d) विभावना

Ans. (c) : पद्मावती सब सखी बुलाई, मनु फुलवारी सबैं चली आई।
उक्त पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है। जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाती है, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है। इसकी पहचान है- मनु, मानों, जनु, जानौ आदि।

75. मानहुँ विधि तन-अच्छ छबि, स्वच्छ राखिबै काज।
दृग-पग पौंछन कौ करें, भूषन पायन्दाज।। इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है-

(a) रूपक (b) यमक
(c) उत्प्रेक्षा (d) श्लेष

Ans. (c) : मनहुँ विधि तन-अच्छ छबि, स्वच्छ राखिबै काज।
दृग-पग पौंछन कौ करें। भूषन पायन्दाज।।
इस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है। जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाती है, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

76. न खुदा ही मिला न बिसाले सनम, ना इधर के रहे ना उधर के रहे। इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है-

(a) विरोधाभास (b) रूपक
(c) यमक (d) श्लेष

Ans. (a) : 'न खुदा ही मिला न बिसाले, ना इधर के रहे न उधर के रहे।' इस पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है। जहाँ विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो, वहाँ पर विरोधाभास अलंकार होता है।

77. आई ऐसी अद्भुत वेला, ना रो सका न विहँस सका। इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है-

(a) विभावना (b) यमक
(c) रूपक (d) विरोधाभास

Ans. (d) : आई ऐसी अद्भुत बेला, न रो सका न विहँस सका।
इस पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है। जहाँ किसी पदार्थ, गुण या क्रिया में वास्तविक विरोध न होने पर भी विरोध का वर्णन हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

78. मैं अंधा भी देख रहा हूँ, रोती हो तुम रोती हो। इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है।

(a) यमक (b) रूपक
(c) विभावना (d) विरोधाभास

Ans. (d) : मैं अंधा भी देख रहा हूँ, रोती हो तुम रोती हो। इस पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है।

79. जल उठो फिर सींचने को। इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

(a) श्लेष (b) रूपक
(c) यमक (d) विरोधाभास

Ans. (d) : जल उठो फिर सींखने को। इस पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है।

80. सुलगती अनुराग की आग जहाँ, जल से भरपूर तडाग वहाँ। इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है।

(a) यमक (b) रूपक
(c) विभावना (d) विरोधाभास

Ans. (d) : सुलगती अनुराग की आग जहाँ, जल से भरपूर तड़ाग वहाँ। इस पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है।

81. छंद के कितने अंग होते हैं।

(a) 8 (b) 7
(c) 6 (d) 5

Ans. (*) : छंद के पाँच अंग होते हैं। (i) मात्रा, (ii) यति, (iii) गति (iv) तुक (iv) गण।
नोट- आयोग इसका उत्तर माना 8 है।

82. ऊ, ए, ऐ कौन-सा वर्ण है?

(a) ह्रस्व (b) दीर्घ
(c) ह्रस्व और दीर्घ (d) प्लुत

Ans. (b) : ऊ, ए, ऐ, दीर्घ वर्ण है। दीर्घ स्वर के अन्तर्गत निम्न वर्ण आते है- आ, ई, ऊ, ए, ऐ ओ, औ।

83. संयुक्त स्वर और उनसे मिले व्यंजनों में कौन-सा वर्ण होता है?

(a) लघु (b) गुरु
(c) प्लुत (d) इनमें कोई नहीं

Ans. (b) : संयुक्त स्वर और उनसे मिले व्यंजनों में गुरु वर्ण होता है। इसकी दो मात्राएं गिनी जाती है इसका चिह्न (ऽ) यह माना जाता है।

84. यगण में कितने लघु और गुरु वर्ण होते हैं?

(a) एक लघु और दो गुरू ऽऽऽ
(b) एक लघु एक गुरू और एक लघु
(c) एक लघु दो गुरू
(d) दो गुरू और एक लघु

Ans. (a) : यगण में एक लघु और दो गुरु (।ऽऽ) वर्ण होते हैं। गणों की संख्या आठ (8) होती है। जो निम्न हैं- यगण, मगण तगण, रगण, जगण, भगण, नगण, सगण आदि।

85. नगण में कितने लघु और गुरू वर्ण होते है?

(a) ।।। (b) ऽऽऽ
(c) ।ऽ। (d) ऽ।।

Ans. (a) : नगण में तीन लघु (।।।) वर्ण होते है। गणों की संख्या आठ होती है। इसका सूत्र है- 'यमाताराजभानसलगा'।

86. निम्नलिखित पंक्ति में कौन सा वर्णिक छन्द है?
जागो उठो भारतवासी, आलस्य त्यागो न बनो विलासी।

(a) इन्द्रवज्रा (b) उपेन्द्रवज्रा
(c) मंजमालिनी (d) युजंगप्रयाति

Ans. (a) : जागो उठो भारतवासी, आलस्य त्यागो न बनो विलासी। उक्त पंक्ति में इन्द्रवज्रा छन्द है। यह वर्णिक समवृत्त छन्द है। इस छन्द के प्रत्येक चरण में दो तगण, एक जगण और दो गुरु वर्ण होते हैं।

87. किस वर्णिक छन्द के प्रत्येक चरण में 1 नगण, 2 भगण और 1 रगण के क्रम में कुल 12 वर्ण होते हैं।
(a) कवित्त (b) सवैया
(c) (a) और (b) दोनों (d) द्रुतविलम्बित

Ans. (d) : द्रुतविलम्बित वर्णिक छन्द के प्रत्येक चरण में 1 नगण, 2 भगण, और 1 रगण के क्रम में कुल 12 वर्ण होते हैं।

88. किस वर्णिक छन्द के प्रत्येक चरण में चौदह वर्ण होते हैं?
(a) इन्द्रवज्रा (b) सवैया
(c) मन्दाक्रान्ता (d) बसन्ततिलका

Ans. (c) : मन्द्राक्रान्ता वर्णिक छन्द के प्रत्येक चरण में चौदह वर्ण होते हैं। इस छंद के प्रत्येक चरण में चार यगण होते है।

89. निम्नलिखित पंक्ति में कौन-सा वर्णिक छन्द है।
पल-पल जिसके मैं पन्थ को देखती थी, निशिदिन जिसके ध्यान में थी बिताती।
(a) मालिनी (b) सवैया
(c) कवित्त (d) भुजंगप्रयाति

Ans. (a) : पल-पल जिसे मैं पन्थ को देखती थी, निशिदिन जिसके ध्यान में थी बिताती। उक्त पंक्ति में मालिनी छंद है। इस छंद के प्रत्येक चरण में दो नगण, एक मगण और दो यगण के क्रम से 15 वर्ण होते है।

90. घनाक्षरी छन्द है।
(a) वर्णिक (b) मात्रिक
(c) अर्थ सम मात्रिक (d) सम मात्रिक

Ans. (a) : घनाक्षरी वर्णिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में क्रमशः 8, 8, 8 और 7 वर्ण होते हैं, प्रत्येक पद का अंत गुरु से होना अनिवार्य है।

91. 'साहित्य दर्पण' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन है?
(a) पंडित जगन्नाथ (b) आचार्य विश्वनाथ
(c) तुलसीदास (d) भरतमुनि

Ans. (b) : 'साहित्य दर्पण' ग्रंथ के रचयिता आचार्य विश्वनाथ हैं। यह ग्रंथ 14वीं शताब्दी में लिखा गया है।

92. ''बुंदेले हरबोलो के मुँह हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।''
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस काव्य-गुण से संबंधित हैं।
(a) ओज गुण (b) प्रसाद गुण
(c) माधुर्य गुण (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : ''बुन्देले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी। खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।'' उपर्युक्त पंक्ति में ओज गुण है। जिस काव्य को पढ़ने या सुनने से हृदय में ओज, उमंग और उत्साह का संचार होता है, उसे ओज गुण प्रधान काव्य कहा जाता है।

93. 'जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी।'' उपर्युक्त पंक्ति किस काव्य-गुण से संबंधित है?
(a) प्रसाद गुण (b) माधुर्य गुण
(c) ओज गुण (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : ''जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी'' उपर्युक्त पंक्ति में प्रसाद गुण से संबंधित है। ऐसी काव्य रचना जिसको पढ़ते ही अर्थ ग्रहण हो जाता है, वहाँ प्रसाद गुण होता है।

94. ''काव्यशोभाय कर्त्तारो धर्माः गुणाः।'' किसका कथन है?
(a) वामन (b) मम्मट
(c) भरतमुनि (d) कुन्तक

Ans. (a) : ''काव्य शोभाय कर्त्तारो धर्मा; गुणाः।'' यह कथन वामन का है। वामन ने काव्यालंकार सूत्र ग्रंथ की रचना की है।

95. आचार्य वामन के अनुसार रीति का भेद कौन-सा है?
(a) माधुर्य (b) ओज
(c) वैदर्भी (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : आचार्य वामन के अनुसार रीति का भेद वैदर्भी है। वामन ने रीति के तीन भेद किये हैं- (i) वैदर्भी रीति, (ii) गौड़ी रीति, (iii) पांचाली रीति।

96. रौद्र रस का स्थायी भाव क्या है?
(a) वात्सल्य (b) जुगुप्सा
(c) क्रोध (d) हास्य

Ans. (c) : रौद्र रस का स्थायी भाव क्रोध है। भरतमुनि ने रसो की संख्या आठ मानी है।

97. शृंगार-रस कितने प्रकार के होते हैं?
(a) तीन (b) दो
(c) चार (d) पाँच

Ans. (b) : शृंगार रस के दो भेद होते है– (i) संयोग शृंगार, (i) वियोग या विप्रलंभ शृंगार।
नायक नायिका के परस्पर मिलन, स्पर्श आदि का भाव संयोग शृंगार तथा जहाँ प्रेम होते हुए भी नायक-नायिका का मिलन न हो, इससे उत्पन्न दुःख ही वियोग शृंगार कहलाता है।

98. वियोग शृंगार का दूसरा नाम क्या है?
(a) संयोग शृंगार (b) विप्रलम्भ शृंगार
(c) हास्य शृंगार (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : वियोग शृंगार का दूसरा नाम विप्रलम्भ शृंगार है। जहाँ एक दूसरे को प्रेम करने वाले नायक और नायिका के वियोग (विरह) का वर्णन होता है। वहाँ वियोग शृंगार होता है।

99. ''थके नयन रघुपति छवि देखे।
पलकन्हिह परिहरि निमेषे।।'' पंक्ति किस रस का उदाहरण है?
(a) हास्य रस (b) शृंगार रस
(c) वीर रस (d) करूण रस

Ans. (b) : थके नयन रघुपति छवि देखे।
पलकन्हिह परिहरि निमेषे।।'' पंक्ति शृंगार रस का उदाहरण है। जब विभाव, अनुभाव और संचारी भाव के संयोग से रति नामक स्थायी भाव रस रूप में परिणत होता है, तो उसे शृंगार रस कहते हैं।

100. ''वाक्यं रसात्मक काव्यम्'' किसकी परिभाषा है?
(a) आचार्य मम्मट (b) आचार्य भरतमुनि
(c) आचार्य विश्वनाथ (d) आचार्य राजशेखर

Ans. (c) : ''वाक्यं रसात्मक काव्यम्'' यह आचार्य विश्वनाथ की परिभाषा है।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति

माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा Bihar STET

हिन्दी

[Exam. Date - 10.09.2023 (Shift-I)] **[Time - 3:00 PM-5:30 PM]**

1. स्वर के साथ स्वर मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे _____कहते है।

(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) संज्ञा संधि

Ans. (a) : स्वर के साथ स्वर मिलने से जो विकार उत्पन्न होता, उसे 'स्वर संधि' कहते हैं। वर्णों के आधार पर संधि के तीन भेद हैं- (i) स्वर संधि (ii) व्यंजन संधि (iii) विसर्ग संधि।
स्वर संधि के पाँच भेद हैं- (i) दीर्घ संधि (ii) गुण संधि (iii) वृद्धि संधि (iv) यण् संधि (v) अयादि संधि।

2. विद्यालय का संधि-विच्छेद है-

(a) विद्या + आलय (b) विध + आलय
(c) विधा + लय (d) विध + लय

Ans. (a) : 'विद्यालय' का संधि-विच्छेद 'विद्या + आलय' होगा। इसमें दीर्घ स्वर संधि है। यदि 'अ', 'आ', 'इ', 'ई', 'उ', 'ऊ' और 'ऋ' के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आएँ, तो दोनों मिलकर क्रमशः 'आ', 'ई', 'ऊ' और 'ऋ' हो जाते हैं।
जैसे-

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
महा + आशय = महाशय
मही + इंद्र = महींद्र

3. सर्वोत्तम' का संधि-विच्छेद है-

(a) सर + वोतम (b) सर्वो + तम
(c) सर्व + उत्तम (d) सर्वोत + म

Ans. (c) : 'सर्वोत्तम' का संधि-विच्छेद 'सर्व + उत्तम' है। इसमें गुण स्वर संधि है। यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई', 'उ' या 'ऊ' और 'ऋ' आए तो दोनों मिलकर क्रमशः 'ए', 'ओ' और 'अर्' हो जाते हैं।
जैसे-

महा + उत्सव = महोत्सव
चंद्र + उदय = चन्द्रोदय

4. उच्चारण' का संधि – विच्छेद क्या है?

(a) उत + चारण (b) उत् + चारण
(c) उच्च + रण (d) उचा + रण

Ans. (b) : 'उच्चारण' का संधि-विच्छेद 'उत् + चारण' है। इसमें व्यंजन संधि है। यदि 'त्' के बाद 'च' आता है तो 'त्', 'च' में परिवर्तित हो जाता है।
जैसे-

सत् + चरित्र = सच्चरित्र
सत् +चित् = सच्चित्

5. महौजस्वी' का संधि –विच्छेद है-

(a) मता + ओजस्वी (b) महौ + जस्वी
(c) म + हौजस्वी (d) महौज + स्वी

Ans. (a) : 'महौजस्वी' का संधि-विच्छेद 'महा + ओजस्वी' है। इसमें वृद्धि स्वर संधि है। यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आए तो दोनों के स्थान में 'ऐ' तथा 'ओ' या 'औ' आए, तो दोनों के स्थान पर 'औ' हो जाता है।
जैसे-

परम + ओजस्वी = परमौजस्वी
महा + औषधि = महौषधि

नोट : आयोग ने विकल्प में 'महौजस्वी' का संधि-विच्छेद 'मता + ओजस्वी' माना जो कि गलत है। इसका सही संधि-विच्छेद 'महा + ओजस्वी' होगा।

6. समास का अर्थ क्या होता है ?

(a) विस्तार (b) संक्षेप
(c) लंबा (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : समास का अर्थ संक्षेप होता है। कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ प्रकट करना 'समास' का मुख्य प्रयोजन है। पं. कामताप्रसाद गुरु के अनुसार, दो या अधिक शब्दों (पदों) का परस्पर संबंध बतानेवाले शब्दों अथवा प्रत्ययों का लोप होने पर उन दो या अधिक शब्दों से जो एक स्वतन्त्र शब्द बनता है, उस शब्द को सामासिक शब्द कहते हैं और उन दो या अधिक शब्दों का जो संयोग होता है, वह समास कहलाता है।

7. जिस समास का पहला पद संख्यावाचक होता हैं।

(a) कर्मधारय (b) द्विगु
(c) द्वंवद्व (d) तत्पुरूष

Ans. (b) : जिस समास का पहला पद संख्यावाचक होता है, उसे द्विगु समाज कहते है। जिस समास में पूर्व पद संख्यावाचक विशेषण हो और जिसके समस्तपद से समूह का बोध हो, उसे द्विगु समास कहते है। जैसे- इकतारा, दोपहर, त्रिभुवन, तिकोना, चारपाई, पंचवटी, सप्तसिन्धु, अष्टभुज, चौमासा, चौराहा।

8. घनश्याम' में कौन-सा समास है?

(a) द्वन्द्व (b) अव्ययीभाव
(c) बहुव्रीहि (d) कर्मधारय

Ans. (c) : 'घनश्याम' में बहुव्रीहि समास है। इसका समास विग्रह होगा- घन (बादल) के समान श्याम है जो अर्थात श्रीकृष्ण। जिस समास में दोनों पद प्रधान न होकर किसी अन्य पद की प्रधानता लक्षित करें है उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं। जैसे-दशानन-दस है मुख जिसके अर्थात रावण।

9. तमदाता' शब्द में समास है

(a) अव्ययीभाव (b) द्वन्द्व
(c) द्विगु (d) तत्पुरूष

Ans. (*) : 'तमदाता' में तत्पुरुष समास है। 'तमदाता' का अर्थ है तम (अंधकार) को प्रदान करने वाला। आयोग ने इसका उत्तर विकल्प (d) को माना है जो कि गलत है। वह समास जिसका उत्तरपद या अंतिम पद प्रधान हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।

10. 'जलज' –शब्द में समास छाँटिए

(a) अव्ययीभाव समास (b) कर्मधारय समास
(c) तत्पुरूष समास (d) बहुव्रीहि समास

Ans. (d) : 'जलज' शब्द में बहुव्रीहि समास है। इसका समास विग्रह होगा जल मे उत्पन्न होने वाला अर्थात कमल। यदि किसी सामासिक पद में प्रयुक्त प्रथम एवं द्वितीय दोनों पद अपना मूल अर्थ छोड़कर अन्य अर्थ प्रकट करें तो उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।

11. गद्यांश को पढ़कर प्रश्न के उत्तर दें।

भारत माता को हम नमन करते हैं। उत्तर में हिमालय इसका प्रहरी है। दक्षिण में हिंद महासागर उसके चरण पखारता है। पश्चिम में कच्छ की खाड़ी और पूरब में बांग्लादेश हैं। गंगा-यमुना, नर्मदा-ताप्ती, कृष्णा, गोदावरी, ब्रह्मपुत्र आदि नदियाँ भारत के मैदानी क्षेत्रों की शोभा बढ़ाती हैं। खेतों में लहराती फसलें और बागों में पके फलों की बहार इनकी भारतमाता का उपहार है। प्रत्येक धर्म का व्यक्ति भारत माँ का सपूत है। सबकी प्रिय है भारत माता । फसले और पके फल किसकी देन हैं?

(a) नदियों की (b) पहाडो की
(c) मिट्टी की (d) लोगों की

Ans. (a) : उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार फसलें और पके फल नदियों की देन हैं। गंगा-यमुना, नर्मदा-ताप्ती, कृष्णा, गोदावरी तथा ब्रह्मपुत्र आदि नदियाँ भारत के मैदानी क्षेत्रों की शोभा बढ़ाती हैं। खेतों में लहराती फसलें और बागों में पके फलों की बहार इनकी भारतमाता का उपहार है।

12. मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। उसका धर्म है कि वह स्वंय जिए और दूसरों को भी जीने दे। वह अपने सुख-दुख के साथ दूसरों के सुख-दुख की ओर भी ध्यान दे। अपने स्वार्थ को छोड़कर दूसरों के हित की भी सोचें। अपना स्वार्थ सिद्ध करना मानवता नहीं है। 'परहित' ही सच्ची मानवता है। यही सच्चा धर्म है। मनुष्य अपनी क्षमता या सामर्थ्य के अनुसार परहित कर सकता है। वह मन से, धन से या तन से अथवा तीनों से दूसरों की भलाई कर सकता है। दूसरों के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना भी परहित है। किसी को संकट से बचाना, किसी को कुमार्ग से हटाना, किसी दुखी और निराश व्यक्ति को सांत्वना देना भी परहित के ही अंतर्गत आता है। भगवान राम ने ऋषि-मुनियों की तपस्या में बाधा डालने वाले राक्षसों का संहार किया। ईसा मसीह ने लोगों का उत्थान किया, सम्राट् अशोक ने स्थान-स्थान पर कुएँ, तालाब आदि खुदवाकर जनता का उपकार किया । यही मानवता का प्रमुख धर्म है।

भगवान राम ने किसका संहार किया है?

(a) बंदरों का (b) हिरण का
(c) देवों का (d) राक्षसों का

Ans. (d) : उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार भगवान राम ने ऋषि-मुनियों की तपस्या में बाधा डालने वाले राक्षसों का संहार किया।

13. मनुष्य एक समाजिक प्राणी है उसका धर्म है कि वह स्वंय जिए और दूसरों को भी जीने दे। वह अपने सुख-दुख के साथ दूसरों के सुख-दुख की ओर भी ध्यान दे। अपने स्वार्थ को छोड़कर दूसरों के हित की भी सोंचे। अपना स्वार्थ सिद्ध करना मानवता नहीं है। 'परहित' ही सच्ची मानवता है। यही सच्चा धर्म है। मनुष्य अपनी क्षमता या सामर्थ्य के अनुसार परहित कर सकता हैं। वह मन सें, धन से या तन से अथवा तीनों से दूसरो की भलाई कर सकता है। दूसरों के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना भी परहित है। किसी को संकट से बचाना, किसी को कुमार्ग से हटाना, किसी दुखी और निराश व्यक्ति को सांत्वना देना भी परहित के ही अंतर्गत आता है। भगवान राम ने ऋषि – मुनियों की तपस्या में बाधा डालने वाले राक्षसों का संहार किया । ईसा मसीह ने लोगों का उत्थान किया, सम्राट् अशोक ने स्थान-स्थान पर कुएँ, तालाब आदि खुदवाकर जनता का उपकार किया । यही मानवता का प्रमुख धर्म है।

'सुख-दुख' में कौन समास है?

(a) द्विगु समास (b) द्वन्द्व समास
(c) अव्ययीभाव समास (d) कर्मधारय समास

Ans. (b) : 'सुख-दुख' में द्वन्द्व समास है। जिस समास के दोनों ही पद प्रधान होते हैं, उसे द्वन्द्व समास कहते हैं। इस समास में दोनों पदों के मध्य प्रयुक्त होने वाले योजक शब्दों (और, अथवा, या व) आदि का लोप हो जाता है तथा उनके स्थान पर योजक चिह्न (–) का प्रयोग होता है। जैसे-'अन्न-जल' इसका समास विग्रह होगा-अन्न और जल।

14. मैत्री की राह बताने को, सबको सुमार्ग पर लाने को दुर्योधन को समझाने को, भीषण विध्वंस बचाने को भगवान हस्तिनापुर आए, पांडव का संदेश लाए दो न्याय अगर तो आधा दो, पर इसमें भी यदि बाधा हो तो दे दो केवल पाँच ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम हम वहीं खुशी से खाएँगे, परिजन पर असि न उठाएँगे दुर्योधन वह भी दे न सका, आशीष समाज का ले न सका उलटे हरि को बाँधने चला; जो था असाध्य साधने चला जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।

कवि ने किस बात को असाध्य कहा है?

(a) श्रीकृष्णा को बंदी बनाना (b) युद्ध को टालना
(c) पांडवों को जीतना (d) संधि का प्रयास मानना

Ans. (a) : कवि ने उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के माध्यम से दुर्योधन द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को बंदी बनाने को असाध्य कहा है।

15. मैत्री की राह बताने को, सबको सुमार्ग पर लाने को दुर्योधन को समझाने को, भीषण विध्वंस बचाने को भगवान हस्तिनापुर आए, पांडव का संदेश लाए, दो न्याय अगर तो आधा दो, पर इसमें भी यदि बाधा हो तो दे दो केवल पाँच ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम हम वहीं खुशी से खाएँगे, परिजन पर असि न उठाएँगें दुर्योधन वह भी दे न सका, आशीष समाज का ले न सका उलटे हरि को बाँधने चला, जो था असाध्य साधने चला जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।

भगवान का पर्यायवाची है :

(a) प्रभु (b) ईश्वर
(c) परमात्मा (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में उपर्युक्त सभी भगवान के पर्यायवाची शब्द है। प्रभु, परमेश्वर, परमात्मा, ईश्वर आदि भगवान के पर्यायवाची शब्द हैं।

16. वाक्यों में प्रयुक्त शब्द कहलाते हैं।

(a) अक्षर (b) वर्ण
(c) पद (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (c) : वाक्यों में प्रयुक्त शब्द 'पद' कहलाते हैं। वाक्य से अलग रहने वाले शब्दों को 'शब्द' कहते हैं, किंतु जब वे किसी वाक्य में पिरो दिये जाते हैं, तब 'पद' कहलाते हैं। जब वाक्य के अन्तर्गत शब्दों में विभक्तियाँ लगती हैं, तब वे 'पद' बन जाते हैं। 'पद' अर्थ संकेतित करता है। 'शब्द' सार्थक और निरर्थक दोनों हो सकते हैं।

17. बचों! सामने सें ट्रक आ रहा है। 'इस वाक्य से कौन-सा भाव प्रकट होता है।

(a) संबोधन (b) तिरस्कार
(c) विस्मय (d) चेतावनी

Ans. (d) : 'बचो! सामने से ट्रक आ रहा है।' इस वाक्य में चेतावनी का भाव प्रकट होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

18. ' चाकू से सेब काट रहा है। वाक्य में 'चाकू से' किस कारक का उदाहरण है?

(a) संप्रदान कारक (b) कर्म कारक
(c) अपादान कारक (d) करण कारक

Ans. (d) : 'मोहन चाकू से सेब काट रहा है।' वाक्य में 'चाकू से' करण कारक का उदाहरण है। वाक्य में जिस शब्द से क्रिया के संबंध का बोध हो, उसे करण कारक कहते हैं।

19. उसका भाई व्यापारी है। उपर्युक्त वाक्य में विधेय है-

(a) उसका (b) भाई
(c) व्यापारी है। (d) है।

Ans. (c) : 'उसका भाई व्यापारी है।' उपर्युक्त वाक्य में 'व्यापारी है' विधेय है। उद्देश्य और विधेय वाक्य के दो अंग होते हैं। वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, उसे 'उद्देश्य' कहते है तथा उद्देश्य के विषय में जो कुछ कह जाए, उसे 'विधेय' कहते हैं। जैसे-पक्षी डाल पर बैठा है। इसमें 'पक्षी' उद्देश्य है तथा 'डाल पर बैठा है' विधेय है।

20. बपौती' में मूल शब्द है-

(a) बपौत (b) बाप
(c) बप (d) बपौ

Ans. (b) : 'बपौती' में मूल शब्द 'बाप' है और 'औती' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। शब्दों के बाद जो अक्षर या अक्षर समूह लगाया जाता है, उसे 'प्रत्यय' कहते हैं।

21. निम्नलिखित वाक्यों में किसमें अपादान कारक की विभक्ति है?

(a) वह कुल्हाड़ी से वृक्ष काटता है।
(b) माँ ने बच्चे को सुलाया।
(c) बिल्ली छत से कूद पड़ी
(d) शिकारी ने शेर पकड़ा।

Ans. (c) : 'बिल्ली छत से कूद पड़ी। वाक्य में अपादान कारक की विभक्ति हैं। संज्ञा के जिस रूप से किसी वस्तु के अलग होने का भाव प्रकट होता है, उसे अपादान कारक कहते हैं। हिन्दी में कुल आठ कारक हैं।

22. रुचि घर जा रही है। 'वाक्य में कौन-सा वाच्य है?

(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से काई नहीं

Ans. (a) : 'रुचि घर जा रही है।' वाक्य में कर्तृवाच्य है। वाच्य के तीन भेद हैं- (i) कर्तृवाच्य (ii) कर्मवाच्य (iii) भाववाच्य।
कर्तृवाच्य- क्रिया के उस रूपान्तर को कर्तृवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्ता की प्रधानता का बोध हो।

23. 'छाती फुलाना' मुहावरें का अर्थ क्य होगा?

(a) साँस रुक जाना (b) गर्व करना
(c) दुखी होना (d) लज्जित होना

Ans. (b) : 'छाती फुलाना' मुहावरे का अर्थ गर्व करना होता है। कुछ अन्य मुहावरों के अर्थ इस प्रकार हैं-

मुहावरा	अर्थ
टका-सा मुँह लेकर रह जाना	शर्मिन्दा होना
घड़ों पानी पड़ जाना	अत्यंत लज्जित होना
चंडूखाने की गप	बहकी या बेतुकी बातें करना

24. ' सितारा-चमकना' मुहावरें का अर्थ है-

(a) भाग्य खराब होना (b) भाग्योदय होना
(c) भाग्योदय नष्ट होना (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : 'सितारा-चमकना' मुहावरे का अर्थ भाग्योदन होना होता है। कुछ अन्य मुहावरे एवं उनके अर्थ इस प्रकार हैं-

मुहावरा	अर्थ
तिल का ताड़ करना	बात को तूल देना
तोते की तरह आँखे फेरना	बेमुरव्वत होना
नाक का बाल होना	अधिक प्यारा होना

25. ' घात लगाना' मुहावरें का अर्थ है-

(a) चोट लगाना (b) धक्का देना
(c) भाग जाना (d) मौका ताकना

Ans. (d) : 'घात लगाना' मुहावरे का अर्थ मौका ताकना होता है। कुछ अन्य मुहावरे एवं उनके अर्थ इस प्रकार हैं-

मुहावरा	अर्थ
नाक पर मक्खी न बैठने देना	निर्दोष बचे रहना
नौ दो ग्यारह होना	चंपत होना (भाग जाना)
नाच नचाना	तंग करना

26. 'मुँह छिपाना' मुहावरे का अर्थ होगा-

(a) सुंदर होना (b) कुरूप होना
(c) शान से रहना (d) लज्जित होना

Ans. (d) : 'मुँह छिपाना' मुहावरे का अर्थ लज्जित होना होता है। कुछ अन्य मुहावरे एवं उनका अर्थ इस प्रकार है-

मुहावरा	अर्थ
मुँह की खाना	बुरी तरह हारना
सिर से पैर तक	आदि से अंत तक
अक्ल की दुम	अपने को बड़ा होशियार समझने वाला

27. ' टाँग अड़ाना' मुहावरे का अर्थ है-

(a) अड़चन डालना (b) मदद करना
(c) टाँ अकड़ना (d) प्रभाव डालना

Ans. (a) : 'टाँग अड़ाना' मुहावरे का अर्थ अड़चन डालना होता है। कुछ प्रमुख मुहावरे एवं उनके अर्थ इस प्रकार हैं-

मुहावरा	अर्थ
अढ़ाई दिन की हुकूमत	कुछ दिनों की शानोशौकत
अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धिभ्रष्ट होना
अगले जमाने का आदमी	सीधा-सादा, ईमानदार

28. ' गडे मुर्दे उखाड़ना' मुहावरा का सही अर्थ होगा-

(a) मुर्दा दफनाना
(b) भूत से डरना
(c) बात छिपाना
(d) दबी हुई बात फिर से उभारना

Ans. (d) : 'गड़े मुर्दे उखाड़ना' मुहावरे का अर्थ दबी हुई बात फिर से उभारना होता है। कुछ प्रमुख मुहावरे एवं उनके अर्थ निम्न हैं-

मुहावरा	अर्थ
अंगारों पर पैर रखना	जान-बूझकर हानिकारक कार्य करना
उठा न रखना	कसर न छोड़ना
कल पड़ना	चैन मिलना

29. ' काला अक्षर भैंस बाराबर' लोकोक्ति का अर्थ होगा-

(a) साक्षर होना (b) निरक्षर होना
(c) ज्ञानी होना (d) बुद्धिमान होना

Ans. (b) : 'काला अक्षर भैंस बराबर' लोकोक्ति का अर्थ निरक्षर होना होता है। कुछ अन्य लोकोक्तियाँ एवं उनके अर्थ निम्न हैं-

मुहावरा	अर्थ
आंख का अंधा नाम नयनसुख	गुण के विरुद्ध नाम होना
एक पंथ दो काज	एक काम से दूसरा काम सध जाना
चिराग तले अंधेरा	अपनी बुराई नहीं दीखती

30. 'कलम तोड़ना' मुहावरा का अर्थ क्या होगा?

(a) अर्थहीन लिखना (b) बढ़िया लिखना
(c) दोषपूर्ण लिखना (d) कलम खरीदना

Ans. (b) : 'कलम तोड़ना' मुहावरे का अर्थ बढ़िया लिखना होता है। कुछ अन्य मुहावरे एवं उनका अर्थ निम्न है-

मुहावरा	अर्थ
मैदान मारना	बाजी या लड़ाई जीतना
मोटा असामी	मालदार

31. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है.

(a) मकड़ी जाला बुन रही है।
(b) इसी कार्य में तुम्हारी भलाई है।
(c) चूहे कपड़े कुतर गया।
(d) विधवा विलाप करके रोने लगी।

Ans. (d) : 'विधवा विलाप कर के रोने लगी।' यह अशुद्ध वाक्य है। इसका शुद्ध रूप होगा- विधवा विलाप करने लगी। अन्य विकल्पों में दिये गये वाक्य शुद्ध हैं।

32. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है

(a) मुझे तुम्हारी बातें सुननी पड़ी।
(b) बेटी पराए घर का धन होती है।
(c) भारत में अनेकों राज्य है।
(d) प्रत्येक वृक्ष फल नहीं देता है।

Ans. (c) : 'भारत में अनेकों राज्य हैं।' यह एक अशुद्ध वाक्य है। इसका शुद्ध रूप होगा- भारत में अनेक राज्य हैं। विकल्पों में दिये गये अन्य वाक्य शुद्ध हैं।

33. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध हैः-

(a) यह सुन्दरतम साड़ी है।
(b) घातक विष, सुंदर शोभा, बुरी कुवृस्टि
(c) धोबिन ने चादरें अच्छी धोई।
(d) आज उसके रहस्य का राज खुला।

Ans. (b) : 'घातक विष, सुंदर शोभा, बुरी कुवृष्टि' अशुद्ध वाक्य है। इस वाक्य का शुद्ध रूप होगा- विष, शोभा, कुवृष्टि।

34. इनमें कौन सा वाक्य अशुद्ध है।

(a) रमेश बैलों को रस्सी से बाँधकर लाया।
(b) माँ ने कहानी सुनाई।
(c) उसके विरूद्ध मुकदमा चलाया गया।
(d) वे आज मथुरा से आएँगे।

Ans. (c) : 'उसके विरुद्ध मुकदमा चलाया गया।' यह एक अशुद्ध वाक्य है। अन्य विकल्पों के वाक्य शुद्ध हैं।

35. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है।

(a) कच्चे तेल की कीमत घट गया है।
(b) मनुष्य ईश्वर की उत्कृष्टतम कृति है।
(c) बन्दूक एक उपयोगी अस्त्र है।
(d) आत्मा अमर है।

Ans. (a) : 'कच्चे तेल की कीमत घट गया है।' अशुद्ध वाक्य है। इसका शुद्ध रूप होगा- कच्चे तेल की कीमत घट गई है। अन्य विकल्पों में दिये गये वाक्य शुद्ध हैं।

36. राधा की गुडियाँ बहुत सुन्दर है। रेखांकित शब्द कौन पदबंध है।

(a) संज्ञा पदंबध (b) सर्वनामपदबंध
(c) विशेषण पदबंध (d) क्रिया विशेषण पदबंध

Ans. (c) : 'राधा की गुड़िया बहुत सुन्दर है।' वाक्य में 'बहुत सुन्दर' विशेषण पदबंध है।
विशेषण पदबंध- विशेषण के रूप में प्रयुक्त पदसमूह को विशेषण पदबन्ध कहते हैं।

37. वाक्य के उस भाग को, जिसमें एक से अधिक पद परस्पर सम्बद्ध होकर अर्थ देते हैं, किंतु पूरा अर्थ नहीं देते है, कहलाते है।

(a) वाक्य (b) पद
(c) पदबंध (d) अक्षर

Ans. (c) : वाक्य के उस भाग को, जिसमें एक से अधिक पद परस्पर सम्बद्ध होकर अर्थ देते हैं, किंतु पूरा अर्थ नहीं देते हैं, पदबंध कहलाते हैं। पदबंध के पाँच प्रमुख भेद हैं- (1) संज्ञा-पदबंध (2) विशेषण-पदबंध (3) सर्वनाम-पदबंध (4) क्रिया-पदबंध (5) क्रियाविशेषण पदबंध।

38. अंधेरा होने से पहले किसान खेत से लौट आया। रेखाकित शब्द कौन पदबंध है।

(a) क्रिया पदबंध (b) विशेषण्ध पदबंध
(c) संज्ञा पदबंध (d) सर्वनाम पदबंध

Ans. (c) : 'अंधेरा होने से पहले किसान खेत से लौट आया।' रेखांकित शब्द में संज्ञा पदबंध है। **संज्ञा-पदबंध-** वाक्य में सज्ञा-पदों की जगह प्रयुक्त होने वाला पदबंध संज्ञा पदबंध कहलाता है। जैसे-भारत के प्रधानमंत्री, गोली से घायल बच्चे, रात को पहरा देने वाला।

39. शेर की तरह दहाड़ने वाले तुम क्यों काँप रहे हो इसमे कौन पदबंध है।

(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध (d) क्रिया पदबंध

Ans. (b) : 'शेर की तरह दहाड़ने वाले तुम क्यों काँप रहे हो।' यहाँ 'दहाड़ने वाले तुम' सर्वनाम-पदबंध है। **सर्वनाम-पदबंध-** वाक्य में प्रयुक्त जब कोई पदसमूह सर्वनाम का कार्य करे, तो उसे सर्वनाम-पदबंध कहते हैं। जैसे- मुझ अभागे ने, दैव का मारा वह।

40. सुबह से शाम तक वह बैठा रहा। रेखांकित शब्द कौन पदबंध है।

(a) अव्यच पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया विशेषण पदबंध (d) क्रिया पदबंध

Ans. (a) : 'सुबह से शाम तक वह बैठा रहा।' रेखांकित शब्द में अव्यय पदबंध है। **अव्यय-पदबंध**- वे पदबंध जो वाक्य में अव्यय का कार्य करते हैं उन्हें अव्यय-पदबंध कहते हैं।

41. जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है, वह कौन सा वाक्य है?

(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) A और B दोनों

Ans. (b) : जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है, उसे कर्मवाच्य कहते हैं। वाच्य के तीन भेद हैं- (1) कर्तृवाच्य (2) कर्मवाच्य (3) भाववाच्य।

42. ' मोहन चित्र बनाता है'। इसमें कौन वाच्य है?

(a) कर्तृवाच्य (b) कर्म वाच्य
(c) भाव वाच्य (d) उपरोक्त सभी

Ans. (a) : 'मोहन चित्र बनता है।' इसमें कर्तृवाच्य है। क्रिया के उस रूपांतर को कर्तृवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्ता की प्रधानता का बोध हो। **जैसे**- लड़का खाता है।

43. मुझसे ऐसी बाते नहीं सुनी जाती है। इस वाक्य में क्रिया किसके अनुसार है?

(a) कर्म (b) कर्त्ता
(c) भाव (d) इनमें से कोई नहीं।

Ans. (a) : 'मुझसे ऐसी बाते नहीं सुनी जाती हैं।' इस वाक्य में क्रिया कर्म के अनुसार है।

44. निम्नलिखित में कौन सा कर्म वाच्य नहीं है?

(a) मोहन के द्वारा फल तोड़ा गया।
(b) पुनम ने अपने बारे में बताया।
(c) मैंने पुस्तक पढी।
(d) उसके द्वारा गाना गाया जाता है।

Ans. (b) : विकल्प (b) और विकल्प (c) दोनों में कर्मवाच्य नहीं है। जबकि आयोग ने विकल्प (b) को ही सही उत्तर माना है।
क्रिया के रूपान्तर को कर्मवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्म की प्रधानता का बोध हो।

45. 'उसने भोजन कर लिया'। वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।

(a) उसने भोजन किया।
(b) उसके द्वारा भोजन नहीं किया गया।
(c) उसके द्वारा भोजन कर लिया गया।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c) : उसने भोजन कर लिया।' वाक्य को कर्मवाच्य में बदलने पर 'उसके द्वारा भोजन कर लिया गया' होगा।

46. निम्न में कौन सा वाक्य शुद्ध है-

(a) मैंने अपनी किताब उसी दिन दे दी थी।
(b) वह मुझे देखा तो घबरा गया।
(c) मैं किताब पढ़ा हूँ।
(d) हम ब्राह्मण को एक वस्त्र दिए।

Ans. (a) : 'मैंने अपनी किताब उसी दिन दे दी थी।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप इस प्रकार हैं-

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
वह मुझे देखा तो घबरा गया।	वह मुझे देखकर घबरा गया।
मैं किताब पढ़ा हूँ।	मैंने किताब पढ़ी है।
हम ब्राह्मण केा एक वस्त्र दिए	मैंने ब्राह्मण को एक वस्त्र दिया।

47. निम्न में कौन सा वाक्य शुद्ध है-

(a) विद्यार्थियों ने शास्त्री जी को अभिनंदन पत्र प्रदान किया।
(b) वह लड़की को बुलाओ।
(c) मैं गाने का अभ्यास करता हूँ।
(d) वह दंड देने के योग्य है।

Ans. (c) : 'मैं गाने का अभ्यास करता हूँ।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप इस प्रकार हैं-

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
विद्यार्थियों ने शास्त्री जी को अभिनंदन पत्र प्रदान किया।	विद्यार्थियों ने शास्त्री जी को अभिनंदन-पत्र अर्पित किया।
वह लड़की को बुलाओ।	उस लड़की को बुलाओ।
वह दंड देने के योग्य है।	वह दंड के योग्य है।

48. निम्न में कौन सा वाक्य शुद्ध है-

(a) कृपया आप ही यह बताएँ
(b) देश की वर्तमान मौजूदा अवस्था अच्छी नहीं है।
(c) उसे मृत्युदंड की सजा मिली।
(d) देरी ना करना।

Ans. (a) : 'कृपया आप ही यह बताएँ।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप इस प्रकार है-

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
देश की वर्तमान मौजूदा अवस्था अच्छी नहीं है।	देश की वर्तमान दशा अच्छी नहीं है।
उसे मृत्युदंड की सजा मिली।	उसे मृत्युदंड मिला।
देरी न करना।	देर न करना।

49. निम्न में कौन सा वाक्य शुद्ध है -

(a) तालाब में छोटा सा मंदिर है।
(b) कोई काम में शीघ्रता ना करो।
(c) बिजली का आविष्कार किसने किया।
(d) मोहन को लड़की हुआ है।

Ans. (a) : 'तालाब में छोटा सा मंदिर है।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप इस प्रकार हैं-

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
कोई काम में शीघ्रता न करो।	किसी काम में जल्दबाजी न करो।
बिजली का आविष्कार किसने किया।	बिजली का आविष्कार किसने किया?
मोहन को लड़की हुआ है।	मोहन के घर बच्ची का जन्म हुआ है।

50. निम्न में कौन मिश्र वाक्य है:-

(a) तुम महान हो क्योंकि सच बोलते हो।
(b) रोगी को उल्टी हो गई।
(c) वह चलने का प्रयास कर रहा था।
(d) इनमें से कोई नहीं।

Ans. (a) : 'तुम महान हो क्योंकि सच बोलते हो।' मिश्रवाक्य है। जिस वाक्य में एक साधारण वाक्य के अतिरिक्त उसके अधीन कोई दूसरा अंगवाक्य हो, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।

51. शब्द शक्ति के कितने भेद हैं?

(a) 2 (b) 3
(c) 4 (d) 5

Ans. (b) : शब्द शक्ति के तीन भेद हैं (1) अभिधा (2) लक्षण (3) व्यंजना। अर्थ का बोध कराने में 'शब्द' कारण है और अर्थ का बोध करानेवाले व्यापार को 'शब्दशक्ति' कहते हैं। आचार्यों में किसी ने इसे 'शक्ति' और किसी ने 'वृत्ति' नाम दिया है। आचार्य मम्मट ने 'व्यापार' शब्द का और आचार्य विश्वनाथ ने 'शक्ति' शब्द का प्रयोग किया है।

52. शब्द व्यंजक है तो उसके अर्थ कहलाएँगे-

(a) व्यंजक (b) व्यंग्य
(c) दोनों (d) दोनों में कोई नहीं

Ans. (b) : शब्द व्यंजन है तो उसके अर्थ व्यंग्य कहलाएँगे।
व्यंजना- शब्द के जिस व्यापार से मुख्य और लक्ष्य अर्थ से भिन्न अर्थ की प्रतीति हो, उसे व्यंजना कहते हैं।

53. को घटि ए वृषभानुजा वे हलधर के वीर में कौन-सी व्यंजना है?

(a) शाब्दी व्यंजना (b) आर्थी व्यंजना
(c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : को घटि ए वृषभानुजा वे हलधर के वीर' पंक्ति में 'शाब्दी व्यंजना' है।
शाब्दी व्यंजना- जहाँ पर शब्द की प्रधानता है अर्थात् जहाँ पर शब्द के स्थान पर अन्य शब्द रखने से अर्थ न निकले वहाँ पर शाब्दी व्यंजना माननी चाहिए। शाब्दी व्यंजना के दो भेद हैं-
(1) अभिधामूला शाब्दी व्यंजना, (2) लक्षणामूला शाब्दी व्यंजना।
अभिधामूला शाब्दी व्यंजना- अभिधा शक्ति द्वारा अनेकार्थी शब्द में एक अर्थ निश्चित हो जाने पर जिस शक्ति के द्वारा अन्यार्थ का ज्ञान होता है, उसे अभिधामूला शाब्दी व्यंजना कहते हैं; **जैसे**-

चिर जीवौ जोरी जुरै, क्यों न सनेह गँभीर।
को घटि ये वृषभानुजा, वे हलधर के वीर।।

54. कौन-सी शब्द शक्ति में अन्य अर्थ प्रकट होता है-

(a) लक्षणा (b) अभिधा
(c) व्यंजना (d) छंद

Ans. (c) : व्यंजना शब्दाशक्ति में अन्य अर्थ प्रकट होता है।
व्यंजना- व्यंजना का अर्थ है विशेष रूप से स्पष्ट करना, खोलना या विकसित करना। अभिधा और लक्षण शक्तियों के अपना अर्थबोध कराने के बाद जिस शक्ति से अन्य अर्थ का बोध होता है, उसे व्यंजना कहते हैं।

55. दुबला – पतला लड़का को जब हमने दारा सिंह कहा तो यहाँ कौन सी शब्द शक्ति है-

(a) रस (b) अलंकार
(c) अभिधा (d) व्यंजना

Ans. (d) : दुबला-पतला लड़का का जब हमने दारा सिंह कहा तो यहाँ 'व्यंजना' शब्दशक्ति है।

56. 'सुमनों की मुस्कान तुम्हारी'' में कौन सा अलंकार है?

(a) शब्दालंकार (b) अर्थालंकार
(c) उभयालंकार (d) कोई नहीं

Ans. (b) : ''सुमनों की मुस्कान तुम्हारी'' में अर्थालंकार है।
अर्थालंकार- अर्थालंकार में किसी शब्द-विषेश के कारण चमत्कार नहीं रहता, वर्न उनके स्थान पर यदि समानार्थी दूसरा शब्द रख दिया जाय, तो भी अलंकार बना रहेगा, क्योंकि यह चमत्कार अर्थगत होता है।

57. काव्य में जहाँ शब्द और अर्थ दोनों के कारण रमणीयता और चमत्कार हो वह कौन सा अलंकार कहलाता है?

(a) उभयालंकार (b) अर्थालंकार
(c) काव्यालंकार (d) शब्दालंकार

Ans. (a) : काव्य में जहाँ शब्द और अर्थ दोनों के कारण रमणीयता और चमत्कार हो वह 'उभयालंकार' कहलाता है।
उभयालंकार- जहाँ शब्द और अर्थ दोनों ही कोटि के चमत्कार रहते हैं। इसमें शब्दालंकार एवं अर्थालंकार दोनों का योग रहता है।

58. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न उबरै, मोती मानुष चून। उक्त पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(a) श्लेष (b) उपमा
(c) यमक (d) रूपक

Ans. (a) : ''रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न उबरै, मोती मानुष चुन।'' उक्त पंक्ति में 'श्लेष' अलंकार है।
श्लेष अलंकार- श्लेष का अर्थ है- चिपकना, मिलना अथवा संयोग। जहाँ एक शब्द के साथ अनेक अर्थ चिपके रहते हैं, वहॉ। श्लेष अलंकार होता है।

59. उपमेय में उपमान के संशय को पैदा करने वाला अलंकार है?

(a) यमक (b) श्लेष
(c) उपमा (d) संदेह

Ans. (d) : उपमेय में उपमान के संशय को पैदा करने वाला संदेह अलंकार है।
संदेह- रूप रंग आदि के सादृश्य होने के कारण उपमेय में उपमान का संशय होने पर संदेह अलंकार होता है।
जैसे- ''सारी बीच नारी है कि नारी बीच सारी है। कि सारी की ही नारी है कि नारी ही की सारी है।।''

60. बिगड़ी बात बनै नहीं, लाख करे किन कोय। रहिमन फाटे दूध को मथे न माखन होय। उक्त पंक्तियों में अलंकार का प्रकार बताएँ?

(a) अतिश्योक्ति (b) विरोधाभास
(c) दृष्टांत (d) अन्योक्ति

Ans. (c) : ''बिगड़ी बात बनै नहीं, लाख करे किन कोय।।
रहिमन फाटे दूध को मथे न माखन होय।।''
उक्त पंक्ति में दृष्टांत अलंकार है।
दृष्टान्त अलंकार- जहाँ उपमेय और उपमान के साधारण धर्म का बिम्ब-प्रतिबिम्ब भाव दर्शित किया जाये तथा वाचक शब्द का उल्लेख न हो, वहाँ दृष्टान्त अलंकार होता है।

61. खोले जू किवार तुम को ही ऐती बाट 'हरि' नाम है हमारी, बसी कानन पहार में। अलंकार पहचानिए।

(a) छेकानुप्रास अलंकार
(b) लाटानुप्रास अलंकार
(c) वक्रोक्ति अलंकार
(d) श्लेषा अलंकार

Ans. (c) : ''खोले जू किवार तुम को ही ऐटी बाट' 'हरि' नाम है हमारी, बसी कानन पहार में'' उक्त पंक्ति में वक्रोक्ति अलंकार है।
वक्रोक्ति अलंकार- जहाँ पर वक्ता के कथन का श्रोता द्वारा वक्ता के अभिप्रेत आशय से श्लेष अथवा काकु उक्ति से भिन्न अर्थ लगाया जाय वहाँ वक्रोक्ति अलंकार होता है।

62. अलंकार का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?

(a) वस्त्र (b) वर्ण
(c) आभूषण (d) विशिष्ट

Ans. (c) : अलंकार का शाब्दिक अर्थ 'आभूषण' होता है।
अलंकार- भूषित करने वाले उपादानों को 'अलंकार' कहा जाता है। आचार्य वामन के अनुसार, जो अलंकृत करे, वह अलंकार है- ''अलंकृतिः अलंकारः''।

63. 'रघुपति राघव राजाराम' में कौन अलंकार है?

(a) वीप्सा (b) अनुप्रास
(c) पुनरूक्ति (d) विरोधाभास

Ans. (b) : 'रघुपति राघव राजाराम' में अनुप्रास अलंकार है।
अनुप्रास- जिन अलंकारों में वर्णों या व्यंजनो की आवृत्ति होती है वह अनुप्रास हैं। इसके पाँच भेद हैं- 1. छेकानुप्रास, 2. वृत्यानुप्रास, 3. श्रुत्यानुप्रास, 4. अन्त्यानुप्रास, 5. लाटानुप्रास।

64. काली घटा का घमंड घटा। में कौन अलंकार है?

(a) अन्योक्ति (b) अनुप्रास
(c) यमक (d) उपमा

Ans. (c) : 'काली घटा का घमण्ड घटा' में यमक अलंकार है।
यमक- जहाँ पर शब्द की अनेक बार भिन्न अर्थों में आवृत्ति होती है, वहाँ पर यमक अलंकार होता है।

65. एक म्यान में दो तलवारें कभी नहीं रह सकती हैं।

(a) दृष्टांत (b) श्लेष
(c) प्रश्न (d) अनुप्रास

Ans. (a) : 'एक म्यान में दो तलवारें कभी नहीं रह सकती हैं में दृष्टान्त अलंकार है।
दृष्टान्त- जहाँ दोनों सामान्य या दोनों विशेष वाक्य में बिंब-प्रतिबिंब भाव होता है, वहाँ पर दृष्टान्त अलंकार होता है।

66. प्रस्तुत पंक्ति में कौन-सा अलंकार है – '' उदित उदयगिरि मंच पर' रघुवर बाल पंतग। विकासे संत – सरोज सब हरषे लोचन – भृंग।।''

(a) अनुप्रास अलंकार (b) उपमा अलंकार
(c) रूपक अलंकार (d) उत्प्रेक्षा अलंकार

Ans. (c) : ''उदिन उदयगिरि मंच पर, रघुबर बाल पतंग।
विकसे संत-सरोज सब, हरषे लोचन-भृंग।।
इस पंक्ति में रूपक अलंकार है।
रूपक- जब प्रस्तुत या उपमेय पर अप्रस्तुत या उपमान का आरोप होता है तब रूपक अलंकार होता है।

67. ' रेशमी कलम से भाग्य लेस लिखने वालों' कौन सा अलंकार है -

(a) रूपक (b) उपमा
(c) अन्योक्ति (d) श्लेष

Ans. (a) : 'रेशमी कलम से भाग्य लेस लिखने वालों' में रूपक अलंकार है।

68. रूपक अलंकार है-

(a) विमल वाणी ने वीणा ली।
(b) काली घटा का धमंड घटा।
(c) माया दीपक नर पंतग।
(d) सीता का मुख मानों चंद्रमा है।

Ans. (c) : 'माया दीपक नर पतंग' में रूपक अलंकार है।

69. कंजकली कलिका लतान सिर सारी है। में अलंकार है-

(a) रूपक (b) अनुप्रास
(c) A और B दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : 'कंजकली कलिका लतान सिर सारी है' में रूपक और अनुप्रास दोनों अलंकार है।

70. सब प्राणियों में मतमनोमयुर अहा नचा रहा है। कौन सा अलंकार है-

(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) रूपक (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : 'सब प्राणियों के मत मनोमयूर अहा नचा रहा है' में रूपक अलंकार है।

71. पिया सों कहेउ संदेसड़ा, हे भौंरा हे काग। सो धनि विहर जरी मुई, तिहिंक धुँआ हम लाग। इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है

(a) श्लेष (b) उपमा
(c) यमक (d) उत्प्रेक्षा

Ans. (d) : ''पिया सो कहेउ संदेसड़ा, हे भौरा हे काग।
सो धनि विरह जरी मुई, तिहिंक धुँआ हम लाग।।''
उक्त पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है।
उत्प्रेक्षा- जहाँ पर उपमेय या प्रस्तुत में उपमान या अप्रस्तुत की संभावना या कल्पना की जाय, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है। यह सम्भावना वस्तु रूप में, हेतु रूप में और फल रूप में की जा सकती है।

72. बहुत काली सिल जरा-से लाल केसर से, कि जैसे धुल गई हो पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

(a) यमक (b) उत्प्रेक्षा
(c) विभावना (d) रूपक

Ans. (b) : 'बहुत काली सिल जरा-से लाल केसर से, कि जैसे धुल गई हो।' उक्त पंक्ति में 'उत्प्रेक्षा अलंकार है।

73. झुककर मैंने पूछ लिया, खा गया मानों झटका। इस पंक्ति मे कौन-सा अलंकार है-

(a) रूपक (b) यमक
(c) उत्प्रेक्षा (d) श्लेष

Ans. (c) : 'झुककर मैंने पूछ लिया, खा गया मानों झटका' उक्त पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है।

74. फुले हैं कुमुद फूली मालती सघन बन,फुलि रहे तारे मानो मोती अनगिन हैं। इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है -

(a) उत्प्रेक्षा (b) रूपक
(c) विभावना (d) श्लेष

Ans. (a) : 'फूले हैं कुमुद फूली मालती सघन बन,
फुलि रहे तारे मानों मोती अनगिन हैं।'
इस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है।

75. नित्य ही नहाता क्षीर-सिन्धु में कलाधर है, सुन्दर तवानन की समता की इच्छा से। पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

(a) उत्प्रेक्षा (b) श्लेष
(c) रूपक (d) यमक

Ans. (a) : 'नित्य ही नहाता क्षीर-सिंधु में कलाधर है,
सुन्दर तवानन की समता की इच्छा से'।
इस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है।

76. बैन सुन्या जब से मधुर, तबते सुनत न बैन। इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है-

(a) विरोधाभास (b) यमक
(c) रूपक (d) श्लेष

Ans. (a) : 'बैन सुन्या जब से मधुर, तबते सुनत न बैन' उक्त पंक्ति में 'विरोधाभास' अलंकार है।
विरोधाभास- जहाँ पर किसी पदार्थ, गुण या क्रिया में विरोध दिखलाई पड़े (वास्तव में विरोध न हो), वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

77. तंत्री नाद कवित्व रस, सरस राग रति रंग। अनबूड़े बूड़े तिरे जे बूड़े सब अंग। इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

(a) विरोधाभास (b) विभावना
(c) रूपक (d) श्लेष

Ans. (a) : 'तंत्रीनाद कवित्व रस, सरस राग रति रंग।
अनबूड़े बूड़े तिरे, जे बूड़े सब अंगा।'-इस पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है।

78. पत्थर कुछ और मुलायम हो गया। इस पंक्ति मे कौन-सा अलंकार है-

(a) रूपक (b) विरोधाभास
(c) श्लेष (d) यमक

Ans. (b) : 'पत्थर कुछ और मुलायम हो गया' इस पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है।

79. विषमय यह गोदावरी, अमृतम् फल देत। इस पंक्ति में कौन –सा अलंकार है-

(a) यमक (b) श्लेष
(c) रूपक (d) विरोधाभास

Ans. (d) : 'विषमय यह गोदावरी, अमृतम् फल देत' इस पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है।

80. उससे हारी होड़ लगाई। इस पंक्ति में कौन –सा अलंकार है-

(a) श्लेष (b) विरोधाभास
(c) रूपक (d) यमक

Ans. (b) : 'उससे हारी होड़ लगाई' उक्त पंक्ति में विरोधाभास अलंकार है।

81. छिदि धातु का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?

(a) ढँकना (b) अच्छादित करना
(c) अ और ब दोनों (d) इसमें से कोई नहीं

Ans. (c) : छिदि धातु का शाब्दिक अर्थ ढँकना या आच्छादित करना होता है।

82. जिन वर्णों के उच्चारण में अल्प समय लगे उसे क्या कहते हैं?

(a) ह्रस्व (b) दीर्घ
(c) प्लुत (d) इसमें से कोई नहीं

Ans. (a) : जिन वर्णों के उच्चारण में अल्प समय लगता है उसे ह्रस्व कहते हैं।
दीर्घ- जिन वर्णों के उच्चारण में अधिक समय लगता है उसे दीर्घ कहते हैं।
प्लुत- जिस स्वर के उच्चारण में तिगुना समय लगे, उसे 'प्लुत' कहते हैं। जैसे-ओउ्म।

83. छन्दों को पढ़ते समय विराम स्थल को क्या कहा जाता है?

(a) यति (b) गति
(c) तुक (d) लय

Ans. (a) : छन्दो को पढ़ते समय विरामस्थल को 'यति' कहा जाता है। छन्दों के चरण के अन्त में वर्णों की आवृत्ति को 'तुक' कहते हैं। छन्द प्रमुखतः तीन प्रकार के हैं-मात्रिक, वर्णिक छंद एवं मुक्तक छंद।

84. चंचल शब्द में 'चं' वर्ण में कौन-सी मात्रा होगी?

(a) लघु (b) गरु
(c) लघु और गुरु (d) प्लूत

Ans. (b) : चंचल शब्द में 'च' वर्ण में गुरु (ऽ) मात्रा होगी। छन्दों में ह्रस्व व दीर्घ वर्ण के लिए लघु (।) व गुरु (ऽ) मात्राएँ लगायी जाती हैं।

85. भगण में कितने लघु और गुरु वर्ण होते है?

(a) ऽ।। (b) ऽ।ऽ
(c) ऽऽ। (d) ।ऽऽ

Ans. (a) : भगण में एक गुरु और दो लघु वर्ण (ऽ।।) होते हैं। गुरु-लघु क्रम से वर्णों की व्यवस्था एवं गणना करने के लिए तीन-तीन वर्णों के स्वतन्त्र समूहों की कल्पना की गई है, जिन्हें 'गण' कहा जाता है। गणों की की संख्या 8 होती है-यगण, मगण, तगण, रगण, जगण, भगण, नगण एवं सगण।

86. जिस छन्द के प्रत्येक चरण में 11 (ग्यारह) वर्ण होते हैं, उसे क्या कहा जाता है?

(a) चौपाई (b) उपेन्द्रवज्रा
(c) इन्द्रवज्रा (d) (b) और (c)

Ans. (d) : उपेन्द्रवज्रा एवं इन्द्रवज्रा छन्द के प्रत्येक चरण में 11(ग्यारह) वर्ण होते हैं। चौपाई मात्रिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में 16 मात्राएँ अन्त में दो गुरु वर्ण होते हैं।

87. कवित्त वर्णिक छन्द में कुल कितने वर्ण होते हैं?

(a) 11 (b) 24
(c) 31 (d) 41

Ans. (c) : कवित्त वर्णिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में 31 वर्ण होते हैं। कवित्त छन्द के तीन भेद हैं- मनहरण कवित्त, रूपघनाक्षरी, देवघनाक्षरी।

88. निम्नलिखित पंक्ति में कौन-सा छन्द है? न जिसमें कुछ पौरुष हो यहाँ, सफलता वह पा सकता कहाँ?

(a) मालिनी (b) सवैया
(c) वंशस्थ (d) द्रुतविलम्बित

Ans. (d) : न जिसमें कुछ पौरूष हो यहाँ, सफलता वह पा सकता कहाँ? पंक्ति में द्रुतविलम्बित छंद है। इसके चार चरण होते हैं और प्रत्येक चरण में 12 वर्ण होते हैं।

89. निम्नलिखित पंक्ति में कौन-सा वर्णिक छन्द है? आयें प्रजाधिप निकेतन पास ऊधो। पूरा प्रसार करती करुणा जहाँ थी।।

(a) वसन्ततिलका (b) मन्दाक्रन्ता
(c) सवैया (d) उपेन्द्रवज्रा

Ans. (a) : आये प्रजाधिप निकेतन पास ऊधो। पूरा प्रसार करती करुणा जहाँ थी।। पंक्ति में वसन्ततिलका छंद है। इसमें 14 वर्ण होते हैं।

90. भुजंग प्रयाति कौन-सा छन्द है?

(a) मात्रिक (b) सममात्रिक
(c) मुक्तक छन्द (d) वर्णिक छन्द